राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 239 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली,मंगलवार, 23 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

लालकिले हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस ने एक और गिरफ्तारी की, जसप्रीत को घर से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) को लालकिले पर हुई हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने एक और गिरफ्तारी की है। पुलिस ने जसप्रीत सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। जसप्रीत 26 जनवरी की हिंसा के दौरान लाल किले की प्राचीर के दोनों किनारों पर स्थित एक गुंबद पर चढ़ गया था। जसप्रीत लालकिले पर स्टील की तलवारें लहराता हुआ दिखाई दे रहा था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम अब तक लाल किला हिंसा मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू को गिरफ्तार कर लगातार पूछताछ कर रही है, जबकि लक्खा सिधाना अभी फरार है।

साल में पहली बार मजदूर को एक साथ मिले 2 हीरे, रातों रात बना लखपति

पन्ना। पन्ना दुनियाभर में हीरों के लिए मशहूर है। जहां हीरों की खदानों ने कई मजदूरों को रातों रात अमीर बना दिया। पन्ना में आज एक बार फिर एक मजदूर कि किस्मत चमकी और उसे 30 लाख की कीमत का हीरा मिला। मजदूर बेहद खुश है और उसका कहना है कि इन पैसों से बच्चों की पढाई लिखाई करवाएगा। यह साल 2020 का पहला मौका है कि किसी मजदूर को एक साथ दो हीरे मिले हों। जानकारी के अनुसार, इटवाखास ग्राम की किटहा हीरा खदान में भगवान दास कुशवाहा नाम के व्यक्ति को एक नहीं दो-दो हीरे मिले हैं इन हीरो की अनुमानित कीमत 30 लाख से ऊपर बताई जा रही है। हीरा पाकर मजदूर काफी खुश है उसका कहना है कि इस पैसे का अपने बाल बच्चों की पढ़ाई और घर की जो जिम्मेदारियां हैं उन पर खर्च करेगा।

फिरोजपुर रेल मंडल के अलग-अलग स्टेशनों से 7 जोड़ी ट्रेनें शुरू

जैतो । उत्तर रेलवे ने रेल यात्रियों की सुविधा के लिए अनारक्षित मेल व एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेनों को चलाने के लिए मोहर लगाई है। जानकारी के अनुसार हाल ही में रेल मंत्रालय के उत्तर रेलवे ने यात्रियों व स्थानीय प्रशासन की मांगों पर विचार करने के उपरांत रेलवे के विभिन्न मंडलों में 70 ट्रेनों को चलाने का ऐलान किया था। इसी के चलते 35 ट्रेनें आज 22 फरवरी से चलाईं गई हैं। रेलवे ने जिन 35 ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया उनमें फिरोजपुर रेल मंडल की 7 जोड़ी ट्रेनों को चलाने की अनुमति मिली है।

असम में सत्ता में पाने के लिए कांग्रेस ने अपनाया छत्तीसगढ़ मॉडल

नई दिल्ली । असम में आगामी विधानसभा चुनाव में कड़े मुकाबले के लिए तैयारी कर रही विपक्षी कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा नीत गठबंधन से सत्ता हासिल करने के लिए बूथ प्रबंधन को लेकर ''छत्तीसगढ़ मॉडल को अपनाया है। वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सभी 'एक्जिट पोल और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुमानों को गलत साबित करते हुए 90 में से 68 सीटों पर जीत दर्ज कर 15 साल बाद सत्ता में लौटी थी। दो उपचुनावों में जीत के बाद कांग्रेस के पास वर्तमान में 70 सीटें हैं। दूसरे राज्य से आए और करीब एक महीने से यहां चुनावी अभियान का काम देख रहे कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि जमीन पर छत्तीसगढ़ की एक टीम के काम करने के बाद पार्टी में नयी ऊर्जा दिख रही है।

एक महीने में तीसरी बार बंगाल पहुंचे प्रधानमंत्री

बंगाल अब पोरिबर्तन का मन बना चुका - प्रधानमंत्री मोदी

कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को महीने में तीसरी बार पश्चिम बंगाल पहुंचे। हुगली में उन्होंने कहा कि अब पश्चिम बंगाल पोरिबर्तन (बदलाव) का मन बना चुका है। TMC पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मां, माटी, मानुष की बात करने वाले बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़े हो गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कार्यक्रम से दूर ही रहीं। मोदी ने कहा, आप लोगों की यह उमंग, ऊर्जा कोलकाता से दिल्ली तक बहुत बड़ा संदेश दे रही है। अब पश्चिम बंगाल पोरिबर्तन (बदलाव) का मन बना चुका है। आज इस वीर धरा से पश्चिम बंगाल अपने विकास के संकल्प को सिद्ध करने के लिए बड़ा कदम उठा रहा है। पश्चिम बंगाल में रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट के शिलान्यास और लोकार्पण के लिए, बंगाल के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत बधाई देता हूं।

हुगली में रेलवे के प्रोग्राम से ममता का किनारा

किसान रेल से बंगाल के किसानों को बाजार मिला

विशेष किसान रेल का लाभ बंगाल के किसानों को मिल रहा है। हाल में 100वीं किसान रेल महाराष्ट्र से बंगाल तक चलाई गई। इससे यहां के फल, दूध, मछली से जुड़े किसानों को मुंबई, पुणे सहित देश के बड़े बाजारों तक सीधी पहुंच मिली है। आज हावड़ा-हुगली के लाखों स्टूडेंट्स और श्रमिकों के लिए बहुत बड़ा दिन है। मेट्रो का दक्षिणेश्वर तक विस्तार होने से हजारों यात्रियों को सुविधा होने वाली है। अब कोलकाता आने-जाने के लिए तेज पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिल गया है?।

सोनार बांग्ला बनाने के लिए काम करेगी भाजपा

मोदी बोले कि भाजपा सोनार बांग्ला के निर्माण के लिए काम करेगी। यहां की संस्कृति दिनों-दिन मजबूत होगी। ऐसा बंगाल जहां आस्था, अध्यात्म का सम्मान होगा, जहां सभी का विकास होगा। तुष्टिकरण किसी का नहीं होगा। जो टोलाबाजी से मुक्त होगा, रोजगार और स्वरोजगार से युक्त होगा। आजादी से पहले बंगाल देश के दूसरे राज्यों से बहुत आगे था। जिन लोगों ने बंगाल पर राज किया उन्होंने इसे आज इस हालत में पहुंचा दिया। मां, माटी, मानुष की बात करने वाले लोग विकास के सामने दीवार बनकर खड़े हो गए।

टूलकिट केस

कोर्ट ने एक्टिविस्ट दिशा को एक दिन की रिमांड पर भेजा, पुलिस निकिता और शांतनु के सामने बैठाकर करेगी पूछताछ

दिशा ने न सिर्फ टूलकिट बनाई और शेयर की, बल्कि वह खालिस्तान की वकालत करने वाले के संपर्क में भी थी।

नई दिल्ली । किसान आंदोलन से जुड़े टूलकिट मामले में क्लाइमेट एक्टिविस्ट दिशा रवि को चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने एक दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कोर्ट से 5 दिन की रिमांड मांगी थी। शुक्रवार को दिशा की रिमांड 3 दिन बढ़ा दी गई थी, जो आज पूरी हो रही थी। इस मामले में सह-आरोपी निकिता जैकब और शांतनु मुलुक से साइबर सेल में पूछताछ की जा रही है। पुलिस दिशा, शांतनु और निकिता को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करना चाहती है। इसकी वजह पुलिस ने यह बताई थी कि दिशा ने मामले में सारे आरोप शांतनु और निकिता पर डाल दिए थे। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट दिशा की जमानत याचिका पर कल (23 फरवरी) फैसला सुना सकती है। पिछली सुनवाई पर पुलिस ने कोर्ट से कहा था कि भारत को बदनाम करने की ग्लोबल साजिश में दिशा भी शामिल है। उसने किसान आंदोलन की आड़ में माहौल बिगाड़ने की कोशिश थी। दिशा ने न सिर्फ टूलकिट बनाई और शेयर की, बल्कि वह खालिस्तान की वकालत करने वाले के संपर्क में भी थी। खालिस्तानी संगठनों ने दिशा का इस्तेमाल किया। हालांकि, दिशा के वकील ने इन आरोपों को निराधार बताया था। दिल्ली पुलिस ने 14 फरवरी को दिशा को अरेस्ट किया था।

पुडुचेरी में कांग्रेस+ की सरकार गिरी

मुख्यमंत्री नारायणसामी ने फ्लोर टेस्ट का सामना करने की बजाय इस्तीफा दिया, 11 महीने में कांग्रेस के हाथ से दूसरा राज्य फिसला

पुडुचेरी । केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में कांग्रेस की अगुआई वाली सरकार गिर गई। मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी सोमवार को बहुमत साबित नहीं कर सके और अपने विधायकों के साथ सदन से वॉकआउट कर दिया। कुछ देर बाद ही वे राजभवन पहुंचे और उपराज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया है। विधानसभा के विशेष सत्र में नारायणसामी ने कहा, 'हमने द्रमुक और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी। इसके बाद हमने कई चुनाव देखे। सभी उपचुनावों में हमने जीत दर्ज की। एक बात साफ हो चुकी है कि पुडुचेरी के लोगों का हम पर भरोसा है।'

करीब एक महीने पहले शुरू हुआ था संकट

नारायणसामी सरकार का संकट 25 जनवरी को शुरू हुआ था। उस दिन पीडब्ल्यूडी मंत्री नमस्सिवयम और थीप्पाइंजन ने विधायक पद से इस्तीफा दिया था। तीन दिन बाद ही 28 जनवरी को उन्होंने दिल्ली पहुंचकर भाजपा का दामन थाम लिया। इसके 21 दिन बाद 15 फरवरी को मल्लादी कृष्णा राव ने भी विधायकी छोड़ दी। 15 फरवरी को ही पार्टी के सीनियर लीडर राहुल गांधी हालात संभालने पुडुचेरी पहुंचे, लेकिन बात नहीं बनी। उल्टा, अगले ही दिन 16 फरवरी को विधायक जॉन कुमार का भी इस्तीफा हो गया। कांग्रेस के एक विधायक धनवेलु को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पिछले साल जुलाई में ही अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

> **केंद्र ने धोखा दिया, भाजपा हिंदी थोपना चाहती है**
>
> *नारायणसामी ने सरकार गिरने का ठीकरा केंद्र की मोदी सरकार पर फोड़ा। उन्होंने कहा, 'पूर्व रूत किरण बेदी और केंद्र सरकार ने विपक्ष के साथ मिलकर सरकार गिराने की कोशिश की। अगर हमारे विधायक हमारे साथ होते, तो सरकार पांच साल चलती। केंद्र से हमने फंड मांगा था, उसे न देकर सरकार ने पुडुचेरी के लोगों के साथ धोखा किया।' सीएम ने यह आरोप भी लगाया कि पुडुचेरी पर हिंदी अपनाने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु और पुडुचेरी में हम दो भाषाओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन भाजपा हम पर जबरन हिंदी थोपना चाहती है।'*

सरकार संकट में आई तो केंद्र ने उपराज्यपाल को बदला

16 फरवरी को कांग्रेस के चौथे विधायक का इस्तीफा होते ही केंद्र की मोदी सरकार एक्शन में आई और आनन-फानन में किरण बेदी को उपराज्यपाल पद से हटा दिया गया। उनकी जगह तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को प्रभार सौंपा गया। सुंदरराजन ने सरकार से 22 फरवरी को बहुमत साबित करने का निर्देश दिया।

अलगाववादी और नौकरशाही की साठगांठ को तोड़ने की तैयारी

जम्मू-कश्मीर में कैडर की वापसी मुश्किल

नई दिल्ली। पूर्ण राज्य का दर्जा दोबारा मिलने के बाद भी जम्मू-कश्मीर में आइएएस और आइपीएस जैसे अखिल भारतीय सेवाओं के कैडर की वापसी मुश्किल है। लंबे समय से आतंकवाद से ग्रस्त रहे जम्मू-कश्मीर में सरकार राज्य कैडर को केंद्र शासित कैडर (यूटी कैडर) में ही बनाए रखने पर विचार कर रही है। ध्यान देने की बात है कि केंद्र सरकार ने सात जनवरी को आइएएस, आइपीएस और आइएफएस के राज्य कैडर को यूटी कैडर में विलय का अध्यादेश जारी किया था और संसद इससे संबंधित विधेयक पर मुहर लगा चुकी है। सुरक्षा एजेंसी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार आश्वासन दे चुकी है कि सही वक्त आने पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा। संभवत- यह सब कुछ परिसीमन के बाद होने वाले चुनाव के पश्चात ही होगा। लेकिन तब भी कैडर की वापसी की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। गोवा, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम का उदाहरण देते हुए अधिकारी ने कहा कि पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल होने के बावजूद यहां राज्य का स्थायी कैडर नहीं है और उन्हें केंद्र शासित कैडर के अधिकारियों के साथ रखा गया है। जम्मू-कश्मीर को भी इसी में शामिल किया जा सकता है और इसमें कोई कानूनी अड़चन भी नहीं है। जम्मू-कश्मीर में राज्य कैडर की वापसी रोकने के पीछे कई नौकरशाहों के अलगाववादियों के साथ मिलीभगत या सहानुभूति को कारण बताया जा रहा है।

ध्यान देने की बात है कि केंद्र सरकार ने सात जनवरी को आइएएस आइपीएस और आइएफएस के राज्य कैडर को यूटी कैडर में विलय का अध्यादेश जारी किया था और संसद इससे संबंधित विधेयक पर मुहर लगा चुकी है।

कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, फिर शुरू हुआ पाबंदियों का सिलसिला

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मौतें, कर्नाटक ने भी कड़े उपाय किए

नई दिल्ली । देश में एकबार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। लगातार पांचवें दिन उपचाराधीन मरीजों की संख्या में बढोतरी दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 14,199 नए मामले सामने आए हैं जिसके साथ देश में संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 1.10 करोड़ से ज्यादा हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे में संक्रमण से 83 लोगों की मौत हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,56,385 हो गया है। कोरोना संक्रमण में तेजी को देखते हुए सख्त पाबंदियों का सिलसिला एकबार फिर शुरू हो गया है।

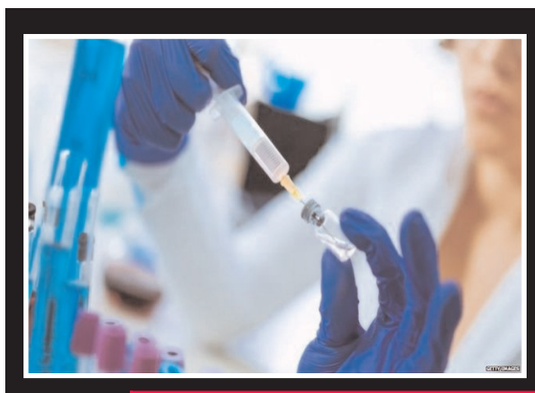

> देश में एकबार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। लगातार पांचवें दिन उपचाराधीन मरीजों की संख्या में बढोतरी दर्ज की गई है। कोरोना संक्रमण में तेजी को देखते हुए सख्त पाबंदियों का सिलसिला एकबार फिर शुरू हो गया है।

अमरावती में लॉकडाउन, पुणे में भी पाबंदियां

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन लगा दिया गया है। पुणे में भी स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान को बंद करने के आदेश दिए गए हैं। रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को छोड़कर बाकी लोगों के घर से निकलने पर रोक है। केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों को आरटी-पीसीआर जांच में तेजी लाने को कहा है।

होटल में शव

होटल में मृत मिले सांसद

मुंबई के होटल में दादरा और नगर हवेली के सांसद की बॉडी और गुजराती में लिखा सुसाइड नोट मिला

मुंबई । दादरा और नगर हवेली से लोकसभा सदस्य मोहन डेलकर दक्षिण मुंबई के एक होटल में मृत पाए गए हैं। उनका शव मरीन ड्राइव पर होटल सी ग्रीन में मिला। पुलिस को उस कमरे से गुजराती में लिखा एक सुसाइड नोट भी मिला है। उनके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। डेलकर की उम्र 58 साल थी। 2019 में वे केंद्र शासित दादरा और नगर हवेली से बतौर निर्दलीय सांसद चुने गए। 1989 में अब तक वे भाजपा, कांग्रेस, भारतीय नवशक्ति पार्टी के उम्मीदवार और निर्दलीय के तौर पर 7 बार लोकसभा के लिए चुने जा चुके थे। उन्होंने 1989 से 2004 तक लगातार 6 बार लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। डेलकर के परिवार में पत्नी कलाबेन डेलकर, दो बच्चे अभिनव और दिविता हैं। मोहन डेलकर का जन्म 1965 में सिलवासा में हुआ था। डेलकर ने सिलवासा में ट्रेड यूनियन लीडर के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। वे अलग-अलग कारखानों में काम करने वाले आदिवासी लोगों के अधिकारों के लिए आवाज उठाया करते थे।

> दादरा और नगर हवेली से लोकसभा सदस्य मोहन डेलकर दक्षिण मुंबई के एक होटल में मृत पाए गए हैं। उनका शव मरीन ड्राइव पर होटल सी ग्रीन में मिला। पुलिस को उस कमरे से गुजराती में लिखा एक सुसाइड नोट भी मिला है। उनके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोरोनिल पर केंद्र बनाम IMA

पतंजलि की कोरोनिल का समर्थन करने पर हर्षवर्धन से मेडिकल एसोसिएशन खफा, कहा- उन्होंने MCI के नियमों को तोड़ा

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पतंजलि की कोरोना वैक्सीन कोरोनिल का समर्थन करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को आड़े हाथ लिया है। IMA ने सोमवार को कहा कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों के मुताबिक, कोई भी डॉक्टर किसी भी दवा का प्रमोशन नहीं कर सकता है। हर्षवर्धन खुद डॉक्टर हैं, इसलिए उन्होंने नियमों के खिलाफ काम किया है। कोरोनिल दवा को लेकर पतंजलि के दावों को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन भी खारिज कर चुका है।

क्या कहा था WHO ने?

WHO ने 19 फरवरी की शाम को साफ कर दिया था कि उसने किसी भी ट्रेडिशनल मेडिसिन का ना तो कोई रिव्यू किया है और ना ही किसी को सर्टिफिकेट दिया है। WHO साउथ-ईस्ट एशिया ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी थी।

भारतीय मूल की नीरा टंडन को लेकर यूएस में सियासत गरम, सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में उभरे मतभेद,

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा नीरा टंडन को व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के निदेशक पद पर नामित किए जाने को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी में मतभेद उभर आए हैं। सत्तारूढ़ दल के सीनेटर जो मैनचिन ने उनके नामांकन के खिलाफ वोट देने का एलान किया है। ऐसे में अब 50 वर्षीय टंडन की नियुक्ति की पुष्टि काफी हद तक किसी रिपब्लिकन सीनेटर के समर्थन पर निर्भर है। नीरा को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी में गतिरोध बढ़ सकता है। पार्टी के खिलाफ जाकर राष्ट्रपति बाइडन ने नीरा पर अपनी आस्था जताई है।

बाइडन ने नीरा पर जताया भरोसा

उधर, बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि उनके पास टंडन की नियुक्ति की पुष्टि के लिए पर्याप्त बहुमत है। अगर उनकी नियुक्ति की पुष्टि हो जाती है तो वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली अश्वेत और भारतीय मूल की महिला होंगी। मैनचिन वेस्ट वर्जीनिया से सीनेटर हैं और उन्हें उदारवादी डेमोक्रेट माना जाता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि नीरा टंडन द्वारा दिए गए एकपक्षीय बयान का असर सांसदों और प्रबंधन व बजट कार्यालय के महत्वपूर्ण कामों पर पड़ेगा। इस वजह से मैं उनके नामांकन का समर्थन नहीं कर सकता। मैंने पहले भी कहा था कि हमें राजनीति में प्रवेश कर चुके विभाजन को दूर करने के लिए सार्थक कदम उठाने चाहिए।

नीरा को लेकर सीनेट में हो सकता है मतदान

नीरा की नियुक्त का मामला सीनेट में जा सकता है। 100 सदस्यीय सीनेट में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के 50-50 सदस्य हैं। उपराष्ट्रपति कमल हैरिस के मत से समर्थन का झुकाव डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में आने की उम्मीद है। ऐसे में मैनचिन के वोट का महत्व बढ़ जाता है। अगर वह नामांकन के खिलाफ वोट डालते हैं तो रिपब्लिकन पार्टी का काम आसान हो जाएगा, क्योंकि उसके अधिकांश नेता टंडन के नामांकन का विरोध कर रहे हैं। पूर्व में टंडन ने सीनेट में अल्पमत के नेता मिक मैक्कोनेल को 'वॉल्डमोर्ट (खलनायक पात्र)' कहा था।

नीरा ने शीर्ष रिपब्लिकन नेताओं से मांगी माफी

नीरा टंडन का सीनेटर बर्नी सैंडर्स और उनके समर्थकों के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी वाद-विवाद चलता रहता है। नीरा ने अपने नामांकन के लिए हुई बहस के दौरान सबसे पहले, सोशल मीडिया पर लंबे समय तक शीर्ष रिपब्लिकन नेताओं को निशाना बनाने के लिए माफी मांगी। उन्होंने इस संबंध में लिखे गए एक हजार से ज्यादा ट्वीट भी डिलीट किए। हिलेरी क्लिंटन की पूर्व सलाहकार रहीं नीरा ने उदारवादी रुख रखने वाले सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस के अध्यक्ष पद पर भी अपनी सेवाएं दी हैं।

रूस में बर्ड फ्लू से इंसानों के संक्रमण का पहला मामला सामने आने से हड़कंप, जानें कितना बड़ा है यह खतरा

मॉस्को। रूस में बर्ड फ्लू के वायरस से इंसान के संक्रमित होने का पहला मामला सामने आया है। लोगों के स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली संस्था रोसपोट्रेबनाजोर की प्रमुख अन्ना पोपोवा ने बताया कि एवियन एन्फ्लूएंजा ए वायरस के एच5एन8 स्ट्रेन से एक पॉल्ट्री में काम करने वाले सात लोगों को संक्रमित पाया गया है। इसकी जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन को दे दी गई है।हालांकि समाचार एजेंसी रॉयटर की गुजारिश पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी इस घटना पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रूस के साथ ही यूरोप, चीन, उत्तरी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में यह वायरस अभी तक सिर्फ पॉल्ट्री में पाया गया था। यह पहली बार है जब इस वायरस को इंसान में पाया गया है।

पोपोवा ने बताया कि रूस के दक्षिण में एक पॉल्ट्री फार्म के सात कर्मचारियों को संक्रमित होने के बाद आइसोलेट कर दिया है। इस इलाके में पिछले साल दिसंबर में बर्ड फ्लू का कहर देखा गया था। संक्रमितों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी सातों लोग ठीक महसूस कर रहे हैं और स्थिति नियंत्रण में हैं।

चीन की दादागीरी के खिलाफ अब फ्रांस भी मैदान में उतरा, दक्षिण चीन सागर में भेजे अपने युद्धपोत

पेरिस। दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागीरी से मुकाबले के लिए अमेरिका के बाद अब फ्रांस भी मैदान में उतर आया है। उसने इस विवादित क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए दो युद्धपोत रवाना किए हैं। अमेरिका अक्सर ही युद्धपोतों का बेड़ा दक्षिण चीन सागर में भेजता रहता है। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट अखबार के अनुसार, फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि युद्धपोत टोनरे और सर्कुफ गुरुवार को रवाना हुए और तीन माह तक प्रशांत क्षेत्र के मिशन पर रहेंगे। वेबसाइट नेवल न्यूज ने बताया कि ये युद्धपोत दो बार दक्षिण चीन सागर से गुजरेंगे और मई में जापान और अमेरिका के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेंगे।

टोनरे के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन आरनौद ट्रांसचैंट ने कहा कि फ्रांसीसी नौसेना अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग को मजबूत करेगी।उल्लेखनीय है कि फ्रांसीसी नौसेना 2015 और 2017 में भी इस तरह के मिशन अंजाम दे चुकी है। उसके युद्धपोत दक्षिण चीन सागर से होकर गुजरे थे। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा मिशन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में फ्रांस की मौजूदगी बढ़ने का संकेत है। फ्रांस ने पिछले हफ्ते दक्षिण चीन सागर में एक परमाणु पनडुब्बी तैनात की थी। उसने चीन की चुनौतियों से मुकाबले के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की अपील पर यह कदम उठाया था। चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है।

सुपर पावर पर सर्दी का सितम

मेरिका में घरों के पंखों पर भी जमी बर्फ की चादर, कमरों और कारों में दम तोड़ रहे लोग; खाने-पानी के लिए लंबी कतारें

न्यूयार्क। दुनिया की सुपरपावर अमेरिका में लोगों की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। कोरोना के बाद अब यहां ठंड ने लोगों को बदहाल कर दिया है। सबसे खराब हालात टेक्सास में है। यहां घर के अंदर तक बर्फ जम गई है। पंखों पर बर्फ की परतें चढ़ने लगी हैं। ठंड के चलते लोग घर में और कारों में दम तोड़ रहे हैं।

टेक्सास में पानी और बिजली का संकट है। यहां अब सरकार की तरफ से लोगों को खाने के पैकेट बांटे जा रहे हैं। इसके लिए लंबी-लंबी लाइनें लग रहीं हैं। बर्फबारी के चलते बिजली के ग्रिड फेल हो गए। इस कारण राज्य के बड़े हिस्से में 5 दिन तक बिजली, गैस सप्लाई ठप रही।

जमा देने वाली सर्दी में हीटर नहीं चले। लोगों ने ठंड बचने के लिए कमरों और कारों में पहुंचकर खुद को पैक कर लिया।

इससे कार्बन मोनो ऑक्साइड बढ़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया। कुछ की जान हाइपोथर्मिया से गई। ओहियो समेत ऐसी कई घटनाओं में अब तक 58 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में भीषण सर्दी से पानी सप्लाई के पाइप फट गए, जिससे राज्य की 2.9 करोड़ में से आधी आबादी पानी के संकट से जूझ रही हैं। हूस्टन के एक स्टेडियम के बाहर पानी की बोतल पाने के लिए सैकड़ों लोगों की लाइन लग रही है।

यूएन की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

भाड़े पर सैनिक देने वाली अमेरिकी कंपनी के पूर्व प्रमुख ने लीबिया में सरकार गिराने के लिए 600 करोड़ में की थी डील

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी और भाड़े के सैनिक उपलब्ध कराने वाली अमेरिकी कंपनी ब्लैकवाटर के पूर्व प्रमुख प्रिंस एरिक ने लीबिया में सरकार को गिराने का प्रयास किया। एरिक ने एक लीबियाई कमांडर को हथियार देने का प्रस्ताव दिया था। यह संयुक्त राष्ट्र के नियमों का खुला उल्लघंन है।

यूएन की एक गोपनीय जांच रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इराक युद्ध में अमेरिका प्राइवेट मिलिट्री या सेना के निजीकरण का कॉन्सेप्ट लेकर आया। इसके तहत ब्लैकवाटर जैसी सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्टर कंपनियों ने युद्ध में अमेरिका को ठेके पर सैनिक और अन्य युद्ध सहायता मुहैया कराई। इन सैनिकों द्वारा आम नागरिकों की हत्या और अत्याचार के बाद इस प्रयोग पर सवाल उठे। इराक में 17 आम नागरिकों की हत्या का मामला अमेरिकी कोर्ट में चला। इसमें ब्लैकवाटर दोषी पाई गई थी।

अब यूएन की इस जांच रिपोर्ट के बाद फिर से सेना के निजीकरण के दुष्परिणाम पर चर्चा होने लगी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एरिक 2019 में लीबिया के एक सैन्य कमांडर को भाड़े के विदेशी सैनिक, अटैक एयरक्राफ्ट, गनबोट और साइबर युद्ध की क्षमता देने की डील कर रहा था। यह सौदा करीब 600 करोड़ रुपए में हो रहा था। इसमें चुनिंदा लीबियाई कमांडरों को मारने और उन पर नजर रखन की योजना थी। ताकि लीबिया की अन्तरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार को गिराया जा सके।

अमेरिकी कोर्ट द्वारा ब्लैकवाटर को प्रतिबंधित करने के बाद कंपनी ने अपना नाम बदल लिया। एरिक ने पिछले दशक में खुद को हमलों का सौदा करने वाले एग्जिक्यूटिवी के रूप में रिलॉन्च कर लिया। यह सौदे कभी कभी खनिजों के लिए तो कभी मिलिट्री फोर्स के लिए होते थे। लेकिन ज्यादातर सौदे संसाधनों से धनी और अफ्रिकी देशों में होते थे।

इराक युद्ध के बाद एरिक प्रिंस प्राइवेट अमेरिकी मिलिट्री का पोस्टर ब्वॉय बन गया। यहा प्रिंस की कंपनी ने 17 आम नागरिकों की हत्या की और आम लोगों पर अत्याचार किए। युद्ध नियम तोड़े। एरिक प्रिंस एक पूर्व नेवी सील है। एरिक का भाई डेवोस ट्रम्प का एजुकेशन सेक्रेटरी था। साथ ही, ट्रम्प के रूस कनेक्शन की जांच में भी एरिक शामिल है।

पाकिस्तान में मस्जिदों पर सरकार के नियंत्रण की कोशिश का मौलवियों ने किया विरोध

मॉस्को। रूस में बर्ड फ्लू के वायरस से इंसान के संक्रमित होने का पहला मामइस्लामाबाद, एएनआइ। पाकिस्तान की इमरान सरकार द्वारा मस्जिदों और मदरसों पर नियंत्रण की कोशिश का मौलवियों और कट्टरपंथियों ने विरोध किया है। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार यहां आयोजित एक सम्मेलन के दौरान मौलवियों ने वक्फ अमलाक अधिनियम-2020 का विरोध करने की धमकी दी। उलेमाओं ने मस्जिदों और मदरसों की रक्षा के लिए आंदोलन शुरू करने की रणनीति भी बनाई। इसके तहत रैलियां आयोजित की जाएंगी।

मौलाना जहूर अहमद अल्वी ने कहा कि सम्मेलन में पांच विचाराधाराओं के कर्ताधर्ता, धार्मिक पार्टियों के नेता और पांच मदरसा बोर्डो के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इन सभी ने सरकार के प्रस्तावित कानून का विरोध करने का एलान किया है। उन्होंने कहा, 'मस्जिदें और मदरसे स्वतंत्र थे, स्वतंत्र हैं और स्वतंत्र रहेंगे। किसी को भी इनकी स्वतंत्रता में खलल पैदा करने का हक नहीं है। हमने पूर्व में होने वाली ऐसी साजिशों का विरोध किया और आने वाले समय में भी इनका विरोध करेंगे। मस्जिदों और मदरसों की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रहेगा।'

शांतिरक्षकों को कोरोना वैक्सीन की दो लाख डोज देने के लिए यूएन ने भारत को कहा धन्यवाद

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र मिशन के शांतिरक्षकों के लिए कोरोना वैक्सीन की दो लाख खुराक की पेशकश करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया। साथ ही कोरोना वैक्सीन का समान वितरण सुनिश्चित करने वाली कोवैक्स सुविधा को मजबूत करने के प्रयासों की सराहना की। यह भी कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने विश्व का नेतृत्व कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस त्रिमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरेस के हवाले से कहा कि उन्होंने शांतिरक्षकों के लिए कोरोना वैक्सीन की पेशकश के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी धन्यवाद कहा है। बता दें कि विदेश मंत्रालय (स्थ्रू) के अनुसार, पिछले सप्ताह तक वैश्विक समुदाय को भारत कोरोना वायरस वैक्सीन की कुल 229.7 लाख खुराक की आपूर्ति कर चुका है।

गौरतलब है कि भारत में गत तीन जनवरी को दो टीकों के आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिली। इसमें सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशिल्ड वैक्सीन और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को डीजीसीआइ से मंजूरी मिली थी। इसके बाद इन दोनों वैक्सीन की मदद से 16 जनवरी को कोरोना टीकाकरण की शुरुआत हुई। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षित किए सैकड़ों स्वास्थ्यकर्मियों की मदद से पहले दिन वैक्सीन की दो लाख सात हजार 229 खुराक दी गई।पूरे टीकाकरण प्रक्रिया की निगरानी के लिए कोविड वैक्सीन इंटेलिजेंस वर्क नाम के एक एप किया जा रहा है।

कोरोना दुनिया में:फ्रांस में एक दिन में 21 हजार से ज्यादा मामले सामने आए, इसी दौरान 328 संक्रमितों की मौत

न्यूयॉर्क। फ्रांस में एक बार फिर संक्रमण और मौतों का आंकड़ा बढ़ने लगा है। कुल मिलाकर 21 हजार 231 मामले सामने आए। इसी दौरान 328 संक्रमितों की मौत भी हो गई। 20 हजार 701 मामले सामने आए थे और 310 लोगों की मौत हो गई थी।

एक ही दिन में अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी 10 हजार से ज्यादा बढ़ी। हेल्थ मिनिस्ट्री ने माना है कि पिछले हफ्ते संक्रमितों और मरने वालों की संख्या बढ़ी है। हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि अब नेशनल लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। फ्रांस में दो महीने पहले तक हर दिन 50 हजार से ज्यादा संक्रमित पाए जा रहे थे। सरकार ने सख्त लॉकडाउन से हालात सुधारे।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में पाबंदियां जारी रहेंगी

वैक्सीनेशन के बीच दुनिया के कई देशों में एक बार फिर से कोरोना मरीजों के बढ़ने की रफ्तार तेज होने लगी है। इसको देखते हुए अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको ने देश में 21 मार्च तक पाबंदियां बढ़ा दी हैं। इसके मुताबिक, यहां रहने वाले लोग गैर-जरूरी कामों के लिए ट्रैवल नहीं कर पाएंगे। लोगों को यात्रा की वजह बताना जरूरी होगा। अब तक ये पाबंदी 21 फरवरी तक ही थीं।

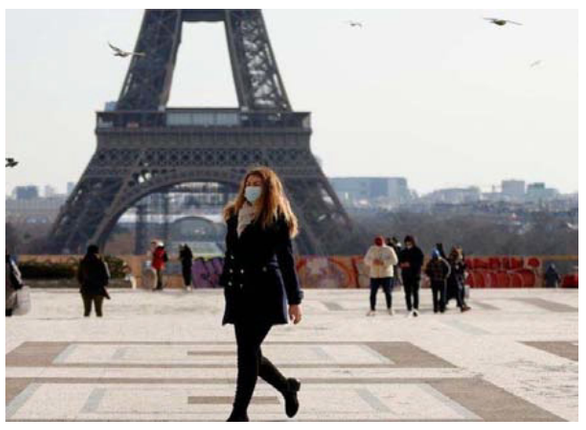

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ऐलान किया है कि जुलाई तक हर अमेरिकी को वैक्सीन का डोज लग जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। इस पर फाइजर ने कहा है कि वह हर हफ्ते अमेरिका को एक करोड़ डोज देने के लिए तैयार है। अमेरिका में अब तक सबसे ज्यादा 5.70 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। दूसरे नंबर पर चीन है, जहां 4 करोड़ लोगों तक वैक्सीन पहुंच चुकी है। यूरोपियन यूनियन में अब तक 2.45 करोड़ और भारत में 1.04 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई गई है।

पूरी दुनिया में अब तक 11 करोड़ 12 लाख से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 24 लाख 62 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 8 करोड़ 61 लाख लोग ठीक हो चुके हैं। 2 लाख 26 लाख मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। दुनिया के 19 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन को शक है कि चीन के वुहान मार्केट में बेचे गए फैरेट बैजर्स और खरगोश से कोरोना वायरस इंसानों में फैला।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया। हालांकि, बाजार में ऐसे और अन्य जानवरों के सप्लायर की जांच की जा रही है। फिलहाल एक्स्पर्ट्स वुहान मार्केट में कानूनी या अवैध रूप से बेचे जाने वाले जीवित और मृत जानवरों की सूची तैयार कर रहे हैं।

म्यांमार में हालात बिगड़े: सेना ने तख्तापलट का विरोध कर रहे लोगों पर फायरिंग की, कुछ लोगों के मारे जाने की खबर

नेपितॉ/मांडले। म्यांमार में 1 फरवरी को हुए तख्तापलट के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सैन्य तख्तापलट का विरोध कर रहे लोगों पर सेना ने फायरिंग की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, घटना में कुछ लोगों की मौत हुई है और काफी तादाद में लोग घायल हुए हैं। इसी दौरान, इंटरनेशनल रेड क्रॉस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया गया। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शनिवार की फायरिंग में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हुई है। हालांकि, म्यांमार की सेना ने न तो फायरिंग की पुष्टि की और न मारे जाने वाले लोगों की।

इंटरनेट बंद, इसलिए सटीक जानकारी नहीं मिल रही

म्यांमार आर्मी ने तख्तापलट के बाद से ही देश में इंटरनेट ब्लॉक कर दिया है। सेना बेहद शातिर तरीके से इंटरनेट का इस्तेमाल सिर्फ अपने प्रोपेगंडा के लिए कर रही है। सेना ने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और दोनों ही बार इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की गई। इस दौरान इंटरनेट के जरिए दुनिया को यह बताने की कोशिश की गई कि देश में सब कुछ सही चल रहा है।

प्रदर्शनकारियों पर अचानक फायरिंग

'लास एंजिलिस टाइम्स' की शनिवार शाम जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि शनिवार को दो बार फायरिंग हुई। पहली बार मांडले शहर में जबकि दूसरी बार इससे कुछ दूरी पर स्थित एक कस्बे में। मांडले देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और यहां ज्यादातर कारोबारी समुदाय रहता है। इन लोगों का भारत और चीन से पुराने कारोबारी रिश्ते हैं।

यहां स्थानीय लोगों ने एक चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। करीब 8 हजार लोग इस प्रदर्शन में मौजूद थे। इसी दौरान पहले तो सेना ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके कुछ देर बाद फायरिंग की गई। इसके कुछ फुटेज भी सामने आए हैं, हालांकि इनकी पुष्टि नहीं की गई। माना जा रहा है कि सोमवार या मंगलवार को देश के ज्यादातर हिस्से में कर्फ्यू लगाया जा सकता है। इसके संकेत सेना के सूत्रों ने दिए हैं।

सेना ने कहा- चुनाव जरूर कराएंगे

म्यांमार की सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल जे मिन तुन ने तख्तापलट के बाद मंगलवार को पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- हमारी कोशिश यह है कि देश में जल्द से जल्द नए चुनाव कराए जाएं और जो पार्टी जीते उसे सत्ता सौंप दें। कई बार पूछे जाने के बावजूद मिन ने यह नहीं बताया कि नए चुनाव कब कराए जाएंगे। इतना जरूर कहा कि एक साल के पहले इमरजेंसी नहीं हटाई जाएगी। साथ ही यह भी साफ कर दिया कि सेना ज्यादा वक्त तक सत्ता में नहीं रहना चाहती। मिन ने कहा- हम यह गारंटी देते हैं कि चुनाव कराए जाएंगे। सेना ने कुछ देर के लिए इंटरनेट खोला और इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को लाइव स्ट्रीम किया गया।

हिरासत में नहीं हैं आंग सान सू की

एक सवाल के जवाब में मिन ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि किसी पार्टी के नेता को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा- सभी नेता अपने घरों में हैं। उनकी सुरक्षा जरूर बढ़ाई गई है। हम यह भी साफ कर देना चाहते हैं कि म्यांमार की विदेश नीति में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। बहरहाल, सेना भले ही कुछ भी कह रही हो, लेकिन देश के लोग उसकी बातों पर भरोसा करने तैयार नहीं हैं। यहां लगातार विरोध प्रदर्शन जारी हैं। दुनिया को डर इस बात का है कि इंटरनेट बंद होने की वजह से लोगों पर सेना के जुल्म बढ़ जाएंगे और इसकी हकीकत बहुत मुश्किल से सामने आ पाएगी।

संक्षिप्त समाचार.....

दिल्ली में 17 साल की लड़की की हत्या का आरोपी हरदोई से गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को उस आरोपी को गिरफ्तार किया जो बेगमपुर हत्या मामले में फरार चल रहा था। आरोपी ने रोहिणी में 17 वर्षीय लड़की की हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी लईक को यूपी के हरदोई से गिरफ्तार किया गया। रोहिणी डीसीपी पी.के. मिश्रा ने कहा कि जिस समय आरोपी को गिरफ्तार किया गया, उस वक्त वह भागने की फिराक में था। पुलिस ने कहा कि 25 वर्षीय लईक शुक्रवार शाम को हथौड़े से लड़की की कथित तौर पर हत्या करने के बाद फरार हो गया था। जब लड़की की हत्या की गई थी, उस समय पीड़ित के घरवाले किराना का सामान लेने बाजार गए हुए थे। हत्या को अंजाम देकर लईक मौके से फरार हो गया था।

जदयू ने की दिल्ली बॉर्डर खोलने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) ने दिल्ली के उपराज्यपाल से मांग की है कि दिल्ली की सीमाओं पर दिल्ली पुलिस द्वारा लगाये गए अवरोधों को हटाकर उन्हें आवागमन के लिए खोला जाये जिससे लाखों लोगों को राहत मिल सके। दिल्ली प्रदेश जदयू महासचिव श्री सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली की जिन सीमाओं पर किसान आन्दोलन चल रहा है, वहां किसानों की संख्या बेहद कम है और ऐसे में आनन-फानन में किसी गड़बड़ी की कोई समस्या नहीं दिखती है। ऐसे में लोगों के लिए रास्तों को जबरन बंद रखना मुनासिब नहीं है। अगर कोई गड़बड़ी या हिंसा होती है तो रास्तों को पुनः बंद किया जा सकता है. वैसे भी दिल्ली पुलिस इतनी सक्षम तो है ही कि वह अल्पावधि नोटिस पर ऐसे मामलों में छोटी सी भीड़ को नियंत्रित कर सके। श्री गुप्ता ने कहा कि गाजीपुर समेत दूसरे बार्डर पर जब 25 हजार किसान हजारों ट्रैक्टरों के साथ जमा थे, तब भी दिल्ली पुलिस ने दिल्ली से पडोसी राज्यों को जाने वाले इन बॉर्डर को खोल रखा था जहाँ किसान आन्दोलन चल रहा था, पर अब जब वहां 100 से 200 किसान महज गिनती के ट्रैक्टरों के साथ हैं और उनकी गतिविधियाँ भी काफी समय से हिंसक नहीं है, इसे बंद कर दिया गया है। इन रास्तों को खोलने का किसान विरोध भी नहीं कर रहे हैं। एक आंकलन के अनुसार दिल्ली में प्रवेश करने वाले लगभग 2 लाख वाहन इन रास्तों से आते जाते हैं। बॉर्डर सील होने के कारण इन वाहनों को गाँव की गलियों या संकरे रास्तों से दिल्ली में आना जाना पड़ रहा है। एक अनुमान के अनुसार इससे प्रतिदिन 5 से 7 करोड़ रुपये का नुकसान पेट्रोल और डीजल के मद में हो रहा है। लाखों लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ रहा है और घंटों का समय रोजाना जाया करना पड़ रहा है।

ऑटोमोबाइल के स्पेयर पार्ट में छुपा कर ला रहे थे सोना, दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आइजीआइ एयरपोर्ट पर दिल्ली कस्टम डिपार्टमेंट की टीम ने दो भारतीय तस्करों को सोने की तस्करी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। ये तस्कर 7 किलो 790 ग्राम सोना दुबई से लेकर दिल्ली आए थे. कस्टम प्रवक्ता के अनुसार, मामला 19 फरवरी का है, जब दुबई से आए इन भारतीय यात्रियों द्वारा ग्रीन चौनल क्रॉस किया जा रहा था. ग्रीन चौनल क्रॉस करने के दौरान कस्टम अधिकारियों को दोनों पर शक हुआ, जिसके बाद इन्हें रोक कर इनकी और इनके सामान की जांच की गई. जिस दौरान इनके पास से ऑटोमोबाइल के स्पेयर पार्ट बरामद हुए, जिसमें से 7 किलो 790 ग्राम सोना बरामद हुआ. बरामद हुए सोने की कीमत 3 करोड़ 36 लाख रुपये बताई जा रही है। पूछताछ करने पर दोनों यात्री सोने के संबंध में कोई जवाब नहीं दे पाए, जिसके बाद कस्टम अधिकारियों ने कस्टम एक्ट के सेक्शन 110 के तहत सोने को जब्त करते हुए दोनों यात्रियों को सेक्शन 104 के तहत गिरफ्तार कर लिया.

दिल्ली सरकार का दावा, फ्लाईओवर निर्माण में 500 करोड़ से अधिक राशि बचाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी लगातार दावा करती रही है कि दिल्ली सरकार जनता के टैक्स के पैसे का सदुपयोग कर रही है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार फ्लाईओवरों के निर्माण में 500 करोड़ से अधिक राशि बचा चुकी है। पिछले 6 सालों में सरकार ने तय समय से पहले 10 फ्लाईओवर बना दिए हैं। इसे पर दिल्ली सरकार का एक वीडियो भी जारी हुआ है। दिल्ली सरकार ने एक सूची जारी की है। सूची के अनुसार, सबसे ज्यादा 125 करोड़ रुपए मधुबन चौक कॉरिडोर में बचाए गए हैं। 422 करोड़ में बनने वाले मधुबन चौक से मुबरका चौक कॉरिडोर को 297 करोड़ में ही बना दिया गया. इसी तरह दो फ्लाईओवर्स में 100-100 करोड़ रुपए बचाए गए हैं। 423 करोड़ के मंगोलपुर से मधुबन चौक प्रोजेक्ट को 323 करोड़ में पूरा कर दिया गया. वहीं, विकासपुरी से मीरा बाग एलिवेटेड कॉरिडोर 560 करोड़ की बजाय 460 करोड़ में ही बनकर तैयार हो गया.

बुराड़ी में पाइपलाइन फटने से खेतों में भरा पानी, फसल नष्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बुराड़ी यमुना पुश्ते पर बनाए नए बोरवेल-ट्यूबवेल जमींदोज हुआ. दिल्ली जल बोर्ड की पाइपलाइन फटने के चलते आसपास के खेतों में भरा पानी जिससे गेहूं की फसल नष्ट हुई. दिल्ली में पानी की किल्लत को खत्म करने के लिए करीब 100 से ज्यादा बोरवेल-ट्यूबवेल बनाए जाएंगे. निर्माण कार्य अभी पूरा ही हुआ था कि एक बोरवेल-ट्यूबवेल गिरने से शासन प्रशासन पर निशाना साधा गया.

करीब 100 से ज्यादा बोरवेल पल्ला यमुना पुश्ते से बुराड़ी यमुना पुश्ते तक बनाने का कार्य निर्माण शुरू किया गया, जिसे जल्द ही पूरा कर दिया गया. यहां के किसानों का आरोप है कि जिस कंपनी ने इन बोरबेल-ट्यूबवेल तैयारी में अब दरारें आने लगी हैं। वहीं एक बोरवेल ट्यूबवेल तो आज अचानक जमींदोज हो गया. इन बोरबेल-ट्यूबवेल का टेंडर किसी निजी कंपनी को दिया तो गया है, लेकिन एक बार भी यहां पर लगने वाले मैटेरियल की गुणवत्ता की जांच किसी भी आधिकारिक तौर पर नहीं की गई. यहां पर अभी जल बोर्ड की पाइपलाइन को जोड़ने का कार्य चल रहा है। जल बोर्ड पाइपलाइन फटने के बाद यहां पानी के चलते फसल के नुकसान को लेकर एक किसान नेता भी पहुंचे ओर उन्होंने बुराड़ी यमुना पुश्ते पर बने नए बोरवेल ट्यूबवेल को लेकर दिल्ली सरकार से इनकी जांच को लेकर पत्राचार भी करेंगे.

कंट्री मेड पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोहन गार्डन थाना की पुलिस टीम ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। इसके पास से कंट्री मेड पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद की गई है। इसकी पहचान आदिल खान के रूप में हुई जो मोहन गार्डन स्थित जैन रोड का रहने वाला है। डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार, मोहन गार्डन थाना एसएचओ बलजीत सिंह की देख-रेख में कॉन्स्टेबल फूलचंद पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात थे. पीपल चौक पहुंचने पर कॉन्स्टेबल ने देखा कि एक युवक पुलिस को देख कर भागने की कोशिश कर रहा है। इस पर कॉन्स्टेबल ने युवक का पीछा कर उसे धर दबोचा.

भागने का कारण पूछने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया और जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से कंट्रीमेड पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुई. जिसके बाद मोहन गार्डन थाना में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया. पूछताछ में उसने बताया कि वह द्वारका मोड़ इलाके में फल बेचने का काम करता है। उसे यह पिस्टल उसके एक साथी ने दी थी जो काम करने के लिए ओमान जा चुका है। इसके बाद पुलिस टीम आगे की कार्रवाई कर रही है।

निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण के लिए दिल्ली सरकार ने शुरू किया मेगा रजिस्ट्रेशन ड्राइव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार दिल्ली के श्रमिकों के कल्याण के लिए पंजीकरण अभियान की शुरुआत कर रही है। इस अभियान के माध्यम से दिल्ली के श्रमिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री व श्रम मंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने श्रमिकों पंजीकरण के लिए मेगा रजिस्ट्रेशन ड्राइव की घोषणा एक प्रेस वार्ता के दौरान की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में लगभग 10 लाख निर्माण श्रमिक हैं, जिनमें से 1.31 लाख श्रमिक दिल्ली सरकार के दिल्ली निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत है और लगभग 80 हजार श्रमिकों के पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। इस रजिस्ट्रेशन ड्राइव के माध्यम से लगभग 8 से लाख अधिक निर्माण श्रमिकों का पंजीकरण किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक देश के रीढ़ की हड्डी है,जो देश को मजबूत करते हैं। मजदूर खड़े है तो हमारी इमारतें खड़ी है, शहर खड़े है। इसलिए श्रमिकों के सम्मान व हितों का

ध्यान रखना हमारी सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, निर्माण श्रमिकों को दिल्ली निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत करने के लिए बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान शुरू कर रही है ताकि अधिक से अधिक श्रमिक दिल्ली सरकार द्वारा श्रमिकों को मिलने वाले शिक्षा, मातृत्व, पेंशन, स्वास्थ्य योजनाओं आदि का लाभ उठा सकें। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार दिल्ली में 45 पर पंजीकरण शिविरों का आयोजन कर रही है। ये शिविर 29 सरकारी स्कूलों और 16 प्रमुख निर्माण स्थलों पर लगाए जाएंगे। साथ ही सभी जिलों में मोबाइल इकाइयाँ लगातार दिल्ली के विभिन्न निर्माण स्थलों पर जाकर निर्माण श्रमिकों को पंजीकृत करेंगी, ताकि श्रमिकों को अपनी दिहाड़ी न कटवानी पड़े। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में 262 प्रमुख लेबर चौक पर बहुत सारे श्रमिक काम की तलाश में इकट्ठा होते हैं। सभी लेबर चौक पर होर्डिंग्स, पोस्टर और हैंडबिल वितरण के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक निर्माण श्रमिकों को अपने नजदीकी स्थानों पर पंजीकरण शिविरों में जाकर पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। काफी श्रमिकों का पंजीकरण समाप्त हो चुका है। जिन्हें अपने पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए सूचित कर दिया गया है।और लगभग 52000 पंजीकरण प्रक्रिया में हैं जो जल्दी से पूरे हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि निर्माण श्रमिक नए पंजीकरण, पंजीकरण के नवीनीकरण और सत्यापन प्रक्रिया के लिए 22 फरवरी से 22 मार्च तक,सोमवार से शुक्रवार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक शिविरों में जा सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता से अपील करते हुए कहा कि वह इस मेगा ड्राइव में भागीदार बन अधिक से अधिक श्रमिकों तक इसका लाभ पहुंचाये। श्रमिक डोरस्टेप डिलीवरी सुविधा द्वारा भी अपना पंजीकरण करवा सकते है।श्रमिकों को केवल 1076 पर कॉल करना होगा और लेबर डिपार्टमेंट के लोग श्रमिकों की सुविधा के अनुसार उनके घर जाकर उन्हें पंजीकृत करवाएंगे। श्रमिकों को दिल्ली सरकार से मिलने मिलने वाली सहायता के तहत घर निर्माण के लिए 3 लाख से 5 लाख रुपये,मातृत्व लाभ में 30000 रुपये, टूल खरीदने के लिए 20000 रुपये का लोन व 5000 रुपये की सहायता राशि, श्रमिकों के प्राकृतिक मृत्यु पर 1 लाख व दुर्घटना मृत्यु पर 2 लाख की सहायता राशि, अपंग हो जाने पर 1 लाख की सहायता राशि व 3000 रुपये प्रतिमाह पेंशन, बच्चों की स्कूली शिक्षा व उच्च शिक्षा के लिए 500 से 10000 रुपये प्रतिमाह, श्रमिकों व उनके बच्चों के विवाह के लिए 35000 से 51000 रुपये की सहायता राशि, वृद्धावस्था पेंशन के रूप में 3000 रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि दी जाती है।

एनजीटी के आदेश पर कॉलोनी में बोरवेल सील

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। एनजीटी के आदेश के बाद कई कॉलोनियों के पार्क में लगे बोरवेल सील करने का सिलसिला तेज हो गया है। जिससे लोगों में एनजीटी के खिलाफनाराजगी है। लोगों का बस यही कहना है कि वह इस फैसले के विरोध में नहीं है। लेकिन, इस फैसले पर अमल करने से पहले पार्कों में पानी की कोई न कोई व्यवस्था तो की जानी चाहिए थी. टैगोर गार्डन इलाके में स्थित रेड एमआइजी फ्लैट्स में भी दो बोरवेल को सील कर दिया गया है। इसके अलावा टैगोर गार्डन के फोर स्टोरी फ्लैट्स के कई पार्कों में लगे बोरवेल सील कर दिये गए हैं। एनजीटी के आदेश पर जिला कार्यालय की तरफ से की गई सीलिंग की कार्रवाई से लोग बेहद नाराज हैं। लोगों का कहना है कि पार्कों में पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। इस तरह की कार्रवाई सही नहीं है। लोग इस बात से बेहद नाराज हैं कि जो ग्रीन ट्रिब्यूनल राजधानी में हरियाली और हरे-भरे पौधे को बढ़ाने के दावे करती है। उसी ग्रीन ट्रिब्यूनल का ऐसा आदेश आखिर साबित क्या करना चाहता है। लोगों का आरोप है कि पार्कों में पानी नहीं मिलने से पौधे तो सूखेंगे ही. साथ ही आसपास धूल भी अधिक होगी और यह धूल कहीं न कहीं प्रदूषण के रूप में लोगों को परेशान करेगी. रेड एम आई जी फ्लैट के आरडब्ल्यूए का कहना है कि इस कॉलोनी में काफी संख्या में बुजुर्ग रहते हैं, जिनके लिए एनजीटी के आदेश के बाद परेशानी निश्चित रूप से बढ़ने वाली है। वहीं टैगोर गार्डन फोर स्टोरी फ्लैट्स में रहने वाले लोग भी इस फैसले पर हैरानी जता रहे और एमसीडी के साथ-साथ दिल्ली सरकार को भी दोषी ठहरा रहे हैं। अब यहां के लोगों ने आरडब्लूए के साथ मिलकर एक मीटिंग की और सबने बस एक ही सवाल उठाया कि पार्क को सूखने से बचाना है तो एनजीटी के पास चलकर उन्हें इस समस्या से अवगत कराना होगा.

केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने एनएएफएलडी और एनपीसीडीसीएस के एकीकरण का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने आज एनएएफएलडी (नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज) और एनपीसीडीसीएस (नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफकैंसर, डायबिटिज, कार्डियोवसकुलर डिजीज एंड स्ट्रोक) के एकीकरण का शुभारंभ किया। उन्होंने इसके लिए संचालन के दिशा-निर्देश भी जारी किए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हृदय की तरह लीवर यानी यकृत भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। सारे शरीर के मेटाबोलिजम को स्वस्थ रखना जरूरी है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज एक नया अध्याय जुड़ा है, क्योंकि एनएएफएलडी को एक कार्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है।

एनएएफएलडी रोग में यकृत का 5 से 10 प्रतिशत अधिक भार होने को फैटी लीवर माना जाता है। एनएएफएलडी एक सामान्य स्वास्थ्य विकृति है और विश्व भर में लगभग एक अरब लोग इसके शिकार होते हैं। विश्व में 20 से 30 प्रतिशत जनसंख्या को यह रोग प्रभावित करता है। भारत में यह रोग लगभग 9 से 32 प्रतिशत जनसंख्या में होता है और यह मोटापे अधिक वजन और मधुमेह वाले व्यक्तियों को शिकार बनाता है। केवल फैटी लीवर के साथ एनएएफएलडी के रोगियों में जटिलताएं उत्पन्न नहीं होती। गैर-अल्कोहलिक स्टीटोहेपटाइटिस (एनएएसएच) से सिरहोसिस तथा यकृत कैंसर हो सकता है। एनएएसएच से ग्रस्त रोगियों की यकृत की जटिलताओं के कारण मृत्यु की अधिक आशंका होती है। एनएएफएलडी एक गैर-संचारी रोग है, जिसमें यकृत की विकृतियां होती हैं। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार दूसरी श्रेणी के मधुमेह वालों में 40 से 80 प्रतिशत लोगों में यह रोग पाया जाता है और मोटापे वालों में 30 से 90 प्रतिशत लोगों में यह रोग होता है। एनएएफएलडी के रोगियों में हृदय रोग होने की अधिक आशंका रहती है। स्वस्थ यकृत के बिना जीवित रहना बहुत कठिन है। यह एक शांत रोग है, जो जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

एनएएफएलडी का एकीकरण एनपीसीडीसीएस (नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफकैंसर, डायबिटिज, कार्डियोवसकुलर डिजीज एंड स्ट्रोक) के साथ किया गया है। इससे एनएएफएलडी का प्रबंधन एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम के अंतर्गत किया जाएगा। इस एकीकरण से गैर-संचारी रोगों पर काबू पाया जा सकेगा और भारत का भविष्य स्वस्थ बनेगा।

दिल्ली में कोरोना के मामले कम होने के बाद देखी जा रही लापरवाही

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के मामले कम होने के बाद एक बार फिर इसमें कुछ बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसके बावजूद इससे बचाव के दिशानिर्देशों को लेकर अब लोगों में लापरवाही देखने को मिल रही है। सड़कों पर जहां कई लोग बिना मास्क के दिखाई दे जा रहे हैं, वहीं मास्क और सैनिटाइजर की बिक्री में भी भारी गिरावट आई है। यह गिरावट 80 फीसद तक है। इस कारण दूसरे सामानों का कारोबार समेटकर इसके कारोबार में आए लोग फिर से अपने पुराने कारोबार का रुख कर रहे हैं। यहीं नहीं, उनकी चिंता दुकानों और गोदामों में पड़े मास्क व सैनिटाइजर के स्टाक को खपाने को लेकर भी है।

पुरानी दिल्ली स्थित दवा व मेडिकल उपकरणों के थोक बाजार से लेकर दिल्ली के अन्य स्थानों पर मौजूद दवा की दुकानों पर यही हाल है। एक दुकान पर औसतन जहां 20 से 30 मास्क बिक जाते थे, वहीं अब इसकी मांग चार-पांच हो गई है। उसमें भी एन-95 मास्क की बिक्री तो नाममात्र की है। केवल सर्जिकल मास्क की ही मांग है। इसी तरह सैनिटाइजर की मांग में कमी आई है। इसकी बिक्री से जुड़े लोगों के मुताबिक अब केवल सरकारी कार्यालयों में ही सैनिटाइजर की मांग बनी हुई है,

अन्यथा बाजारों और निजी कार्यालयों में अब इसका इस्तेमाल काफी कम हो गया है।

लाकडाउन के साथ ही सैनिटाइजर की बिक्री से जुड़े वीकेआर इंटरप्राइजेज के अनिल राय ने बताया कि पहले रोजाना पांच लीटर वाले 200 बोतल बिक जाते थे। अब इसकी संख्या महज 10 रह गई है। इसके पीछे वजह और भी लोगों के इस कारोबार में उतर आना हो सकता है, लेकिन बड़ी वजह यह है कि लोगों ने इसका इस्तेमाल काफी कम कर दिया है। आल दिल्ली ड्रग केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष व लाजपत नगर व ओखला में दवा व मेडिकल उत्पादों के वितरक संदीप नांगिया ने कहा कि अब दुकानों पर कोई एक भी मास्क या सैनिटाइजर खरीदने आ जाता है तो अच्छा महसूस होता है।

शराब के लिए रुपये न देने पर मां को पेचकस घोपकर मार डाला

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास में रविवार रात शराब के लिए रुपये न देने पर 22 वर्षीय युवक ने अपनी बुजुर्ग मां की पेचकस घोपकर हत्या कर दी। आरोपी 64 वर्षीय रामलली के पेट में तब तक पेचकस घोपता रहा, जब तक कि उनकी मौत नहीं हो गई। बाद में अफ्सोस होने पर वह शव के पास बैठकर रोने लगा। कुछ देर बाद पहुंचे पिता ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के बेटे 22 वर्षीय सुशील पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। मृतका रामलली परिवार के साथ खजूरी खास के करावल नगर इलाके में रहती थीं। परिवार में पति चंद्र शेखर और बेटा सुशील हैं। चंद्र शेखर का अपना छोटा-मोटा काम है। वहीं, सुशील पहले एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर काम करता था, लेकिन इन दिनों बेरोजगार है। रविवार रात भोजन के बाद चंद्र शेखर पड़ोस में टहलने चले गए। इसी बीच सुशील शराब पीने के लिए मां रामलली से रुपये मांगने लगा। मां ने रुपये देने से इंकार कर दिया और कमरे में जाकर चारपाई पर लेट गई। इस पर सुशील को गुस्सा आ गया और उसने घर में रखे पेचकस से मां पर हमला कर दिया। आरोपी मां के पेट में तब तक पेचकस घोपता रहा, जब तक कि उनकी मौत नहीं हो गई। मां की हत्या के बाद सुशील शव के पास बैठकर रोने लगा। रात 10:05 बजे उसके पिता टहलकर घर पहुंचे तो पत्नी को खून से लथपथ और बेटे को रोता हुआ देखकर हैरान रह गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी सुशील को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को मौके से पेचकस भी मिला। पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली।

कोरोना वैक्सीन रखने के लिए हिन्दुराव अस्पताल को मिला अल्ट्रा लो डीप फ्रीजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिन्दुराव अस्पताल में कोरोना वैक्सीन रखने के लिए आज एयरकॉम इंजीनियरिंग ने अल्ट्रा लो डीप फ्रीजर दान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तरी दिल्ली के महापौर, श्री जय प्रकाश व दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की पार्षद, सुश्री राधिका फेगाट उपस्थित थी। इस अवसर पर हिन्दुराव अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ अन्नू कपूर व निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उत्तरी दिल्ली के महापौर, श्री जय प्रकाश ने हिन्दुराव अस्पताल को अल्ट्रा लो डीप फ्रीजर दान करने के लिए एयरकॉम

इंजीनियरिंग कंपनी व दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की पार्षद, सुश्री राधिका फेगाट का इस कार्य में सहयोग करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह फ्रीजर हिन्दुराव अस्पताल में चल रहे टीकाकरण अभियान में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि पहले वैक्सीन रखने के लिए दूर स्टोरेज वाले स्थानों पर जाना पड़ता था, अब दूर नही जाना पड़ेगा, हम अब इस अल्ट्रा लो डीप फ्रीजर में कोरोना वैक्सीन रख सकेंगे। दूसरे निगम अस्पतालों की वैक्सीन को भी अब हम यहा स्टोर कर सकेंगे।

महापौर श्री जय प्रकाश ने कहा कि यह फ्रीजर टीकाकरण अभियान में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, जब हम टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण में जाएंगे जिस में 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगेगा उस में ये फ्रीजर काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ये फ्रीजर अन्य कार्यों के लिए भी उपयोग किया जा सकेगा।

महापौर श्री जय प्रकाश ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम नागरिकों को मुफ्त में सुविधाएं देने में अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हम सब एक साथ मिल कर बड़ी से बड़ी लड़ाई को जीत सकते हैं। हम सब को एक साथ मिलकर कार्य करना है और निगम को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाना है।

संपादकीय

बंद का आंशिक असर

नये कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के रेल रोको आंदोलन का देशभर में आंशिक असर देखा गया है। मुख्यत: किसान संगठनों और कहीं-कहीं कुछ राजनीतिक दलों ने ट्रैक जाम किया। प्रदर्शन की खास बात यह रही कि सबकुछ शांतिपूर्ण रहा। कहीं से भी हिंसा, झड़प और तोड़फोड़ की खबर नहीं मिली। आमतौर पर रेल रोको आंदोलन में रेल संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया जाता है। साथ ही रेल यात्रियों के साथ भी बुरा बर्ताव किया जाता है। इस आंदोलन में ऐसा कुछ भी देखने और सुनने को नहीं मिला। यहां तक कि यात्रियों को आंदोलनकारियों ने नाश्ता-पानी

और खाना तक खिलाया। उनसे हाथ जोड़कर माफी भी मांगी। जहां तक ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ने की बात है तो पंजाब, हरियाणा, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रेल मार्गों पर आंदोलन का ज्यादा प्रभाव देखा गया। महाराष्ट्र कर्नाटक और बिहार में भी कई स्टेशनों पर रेलें रोकने की कोशिश की गई। वैसे, उत्तर रेलवे के रेल मार्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखा गया। आंदोलन के चलते उत्तर रेलवे को 25 ट्रेनों के समय में तब्दीली करनी पड़ी। गौरतलब है कि करीब 40 किसान संगठनों के 'संयुक्त किसान मोर्चा' की अपील पर किसानों ने दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रेनें रोकीं। 26 जनवरी को दिल्ली में ट्रैक्टर रैली करने के बाद किसान संगठन पहली बार सडक्क पर उतरे। कृषि कानूनों को खत्म करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दरजा देने की मांग को लेकर किसान संगठन पिछले 86 दिनों से दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर बैठे हैं। दरअसल, इस तरह के आंदोलन के पीछे का तर्क यही है कि ऐसा करने से सरकार पर दबाव बढ़ेगा और इसका दायरा भी देश के दूसरे भागों में फैलेगा। आंदोलन की सफलता को अगर आंका जाए तो यही हुआ है कि सरकार ने कृषि कानूनों को अठारह महीने तक स्थगित करने पर हामी भरी है। यानी सरकार को भी ऐसा लगता है कि कुछ लचीला रुळख अख्तियार करने से महीनों से आंदोलन को मजबूर किसान अपने घरों को लौट जाएंगे। 11 दौर की वार्ता भी किसान संगठन और सरकार के बीच हुई। किंतु कोई समाधान नहीं निकल सका। देखना है, किसान सगंठन और सरकार आगे इस जटिल समस्या का क्या हल निकालते हैं।

नहीं चलता कोई लॉजिक

क्रिकेट को अनिश्तिताओं का खेल माना जाता है और जिसमें जिस तरह टॉस के बारे में नहीं जानते कि उसे कौन जीतेगा, उसी तरह आईपीएल नीलमी में भी कोई नहीं जानता कि किस खिलाड़ी पर पैसों की बारिश हो जाएगी या कौन सा खिलाड़ी बिकेगा ही नहीं। असल में यह टी-20 लीग अब परिपक्वता की तरफ बढ़ने लगी है और टीमें नीलामी में जाने से पहले पूरा होम वर्क करके आती हैं कि उन्हें टीम को मजबूती देने के लिए किस तरह के खिलाड़ियों की जरूरत है और वह अपने हिसाब वाले खिलाड़ियों पर ही पैसा लगाने में विश्वास करती हैं। इस नीलामी में यह लॉजिक नहीं चलता है कि खिलाड़ी क्रिकेट के इस प्रारूप का धांसू खिलाड़ी है, इसलिए उसके ऊपर पैसों की बरसात हो जाएगी। इस बात का अंदाजा आप इससे

लगा सकते हैं कि टी-20 में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ड़ेविड़ मालन को किंग्स इलेवन पंजाब ने मात्र 1.5 करोड़ रुपये में खरीद लिया। वहीं पिछले साल इसी टीम के लिए ढंग का प्रदर्शन नहीं करने पर टीम से छोड़े गए ग्लेन मैक्सवेल को आरसीबी ने 14.25 करोड़ रुपये में खरीदा। यही नहीं आरसीबी ने क्रिस मौरिस को चोटों की समस्या के कारण रिलीज कर दिया था लेकिन उसकी बोली में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पर राजस्थान रॉयल्स के उसे लेने को लेकर अड़े होने पर उन्हें अपने पैर पीछे खींचने पड़े। 16.25 करोड़ में बिके क्रिस मौरिस आईपीएल नीलामी में इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। कई बार तो किसी-किसी खिलाड़ी की इतनी लंबी बोली लग जाती है कि वह खुद भी हैरत में पड़ जाता है। इस बार इस तरह के खिलाड़ी कृष्णप्पा गौतम रहे। जिनको लेने पर चेन्नई सुपरकिंग्स ने 9.25 करोड़ रुळपये खर्च कर दिए। कई बार टीमें ऐसी खिलाड़ियों को लेने का जुआ खेल देती हैं जिनके खेलने के बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। जाय रिचर्ड़सन को किंग्स इलेवन पंजाब ने 14 करोड़ में खरीदा है। दिलचस्प बात यह है कि वह कंधे की चोट का इलाज करा रहे हैं। कई बार भाग्य साथ होने पर किसी खिलाड़ी विशेष की लाटरी लग जाती है और वैसी ही क्षमता के दूसरे खिलाड़ी को मामूली पैसों में खेलने को मजबूर होना पड़ता है। अगर आप फेंचाइजी की सोच पर खरे उतरते दिखते हैं तो आपकी बल्ले-बल्ले हो सकती है। यह भी संभव है कि आप कितने भी बढ़िया खिलाड़ी हैं पर टीम की आप पर निगाह नहीं है तो बिना बिके भी रह सकते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

बाइडन की दुविधा

जो बाइडन जब अमेरिका के सदर चुने गए थे, तब पूरे मध्य-पूर्व ने एक गहरी सांस ली थी कि ट्रंप प्रशासन के दौरान ईरान और अमेरिका में बढ़ी तनातनी जिस तरह से इन दोनों को जंग के मुहाने तक ले गई थी, उसमें अब कम से कम कुछ वक्त के लिए तो नरमी आएगी। तब ओबामा प्रशासन की उस कवायद को भी याद किया गया था, जिसमें 'ज्वॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन' पर दस्तखत किए गए थे। इस करारनामे में ईरान पर आयद कई पाबंदियों को उस समय तक के लिए उठा लिया गया था, जब तक तेहरान परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी शर्तों का पालन करता है। ट्रंप ने उस समझौते से अमेरिका के अलग होने की घोषणा की थी, लेकिन ओबामा प्रशासन में उप-राष्ट्रपति रह चुके बाइडन के ह्वाइट हाउस में आगमन के बाद यह उम्मीद थी कि अमेरिका इस समझौते में फिर से शिरकत करेगा, क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों का यही मानना रहा है कि यह सबसे बेहतर व शांतिपूर्ण नतीजे देने वाला समझौता है। काश! पिछले कुछ समय की घटनाएं इस उम्मीद को वास्तविकता में ढलने की ओर ले जातीं। इसके विपरीत, समझौते में शामिल पक्ष आक्रामक कूटनीति में उलझे हुए हैं। पिछले सप्ताह से ही ईरान ने यूरेनियम धातु का उत्पादन शुरू कर दिया है, जो परमाणु करार की शर्तों का नया उल्लंघन है। जाहिर है, यूरोपीय देशों को यह नागवार गुजरा है और उन्होंने संयम बरतने की अपील की है। इजरायल हमेशा से इस समझौते का विरोधी रहा है। वह इस कटु परिदृश्य का लाभ उठाने में जुट गया है। उसने साफ कहा है कि ईरानी परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी किसी भी रणनीति में वह राष्ट्रपति बाइडन से कोई बात नहीं करेगा, बल्कि उसने तेहरान पर सख्त प्रतिबंध लागने की मांग भी कर दी है। ईरान अपने खेल खेल रहा है, और ट्रंप के शासनकाल में पहुंचे नुकसान की भरपाई के लिए बाइडन पर दबाव बनाना चाहता है। कुछ हद तक ईरान की शिकायतें जायज भी हैं। अधिकतम दबाव की ट्रंप-नीति के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा है। बहरहाल, बाइडन प्रशासन को अब एक लाइन तो लेनी ही पड़ेगी।

तेल की मार, रास्ता निकालो सरकार

> "ऐसा नहीं है कि महंगै तेल आम आदमी पर ही भारी पड़ रहा है, सरकार भी इसकी कीमत चुकाने के खतरे से बाहर नहीं है। उसके सामने एक तरफ अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती है, तो दूसरी तरफ सियासी जमीन पर पकड़ मजबूत रखने का चैलेज भी है। पश्चिम बंगाल ैर असम में चुनाव सिर पर हैं और मंहेगा तेल दोनों राज्यों में फसके सियासी लक्ष्य को धुंधला कर सकता है। वैसे पिछले छह साल के कार्यकाल में सरकार ने मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों का कुशलता से हल निकाला है."

पेट्रोल-डीजल को लेकर देश के लोगों का सबसे बुरा ख्वाब हकीकत बन गया है।

कल तक तेल के दाम को लेकर जो बात मजाक-मजाक में कही जाती थी, वही अब सच बनकर लोगों का तेल निकाल रही है। अबकी बार पेट्रोल वाकई 100 के पार हो गया है और इसकी चौतरफा मार से सारा देश हलकान है। पेट्रोल-डीजल ही नहीं, रसोई गैस भी तीन महीने में 175 रुपये महंगी हो गई है। बेशक देश की नाराजगी अभी सड़कों पर नहीं उतरी है, लेकिन जिस तरह तेल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, उसी अनुपात में यह आशंका भी बढ़ती जा रही है।

यह विषय इसलिए गंभीर है क्योंकि पेट्रोल-डीजल के दामों का बढ़ना अकेले एक कमोडिटी का महंगा हो जाना भर नहीं होता है, बल्कि इसका असर व्यापक होता है। महंगा तेल सीधे-सीधे माल ढुलाई को महंगा करता है, जो बदले में रोजमर्रा की जरूरी चीजों को महंगा कर देता है। इससे महंगाई में इजाफा होता है और आम आदमी सीधे प्रभावित होता है। देश में जब-जब तेल के दाम में आग लगती है, तो उसकी पड़ताल हमें हमेशा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक ले जाती है। सरकार चाहे कोई भी हो, कच्चे तेल के बढ़ते दाम को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। साल 2010 के बाद से दूसरा ठीकरा तेल कंपनियों पर फोड़ा जाने लगा है।

दरअसल, जून 2010 में तत्कालीन सरकार ने तेल कंपनियों को ही पेट्रोल की कीमतें तय करने का अधिकार दे दिया था। फिर अक्टूबर 2014 में डीजल का नंबर आया और अप्रैल 2017 से तो पेट्रोल-डीजल के दाम रोज-रोज बदलने लगे। ताजा सूरतेहाल यह है कि एक बार फिर कच्चे तेल का कच्चा चिट्ठा खोला जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल इस साल 23 फीसद तक महंगा हो चुका है और इस समय 13 महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पर है। तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक ने फरवरी और मार्च में उत्पादन में रोजाना 10 लाख बैरल तक की कटौती का फैसला किया है। तेल में तेजी इसी फैसले का नतीजा है। बेंचमार्क कच्चे तेल ब्रेंट क्रूड का भाव 65 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, लेकिन साल 2013 में जब क्रूड के इसी वैरिएंट का भाव 120 डॉलर प्रति बैरल था, तब पेट्रोल 76 रु पये प्रति लीटर पर था। इस हिसाब से तो क्रूड के भाव करीब-करीब आधे होने पर पेट्रोल का भाव भी उसी अनुपात में घट जाना चाहिए था। जिस भूटान को भारत से ही तेल जाता है, वहां इसकी कीमत हमारे यहां की तुलना में आधी ही है। भूटान ही क्यों, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यहां तक कि चीन और पाकिस्तान में भी पेट्रोल हमारे यहां से कहीं सस्ता मिल रहा है।

इसे एक और आसान तरीके से समझा जा सकता है। एक बैरल यानी 159 लीटर। 65 डॉलर प्रति बैरल का भारतीय मुद्रा में दाम हुआ करीब 4,750 रु पये प्रति बैरल यानी करीब-करीब 30 रु पये प्रति लीटर जो मिनरल वाटर की एक बोतल के आस-पास ही है। फिर हम इसके बदले सोने का दाम क्यों चुका रहे हैं? इसकी वजह है कच्चे तेल पर हमारे यहां लगने वाला भारी-भरकम टैक्स। अभी केंद्र और राज्य सरकारें एक लीटर पेट्रोल पर 168 फीसद टैक्स वसूल रही हैं। जितना पेट्रोल का बेस प्राइस नहीं है, उससे ज्यादा की इस

पर एक्साइज ड्यूटी लग रही है। साल 2014 से पेट्रोल-डीजल पर लगने वाला टैक्स 217 फीसद तक बढ़ गया है। इसमें राज्य सरकारें भी पीछे नहीं हैं। सबसे ज्यादा वैट राजस्थान में लगता है और उसके बाद मध्य प्रदेश में। पेट्रोल के दाम में सेंचुरी भी इन्हीं दोनों राज्यों में लगी है। बेशक इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि टैक्स से मिली राशि से केंद्र और राज्य सरकारों का राजस्व बढ़ता है, जिसका उपयोग देश और प्रदेश में विकास के ही काम में होता है। कोरोना-काल से प्रभावित अर्थव्यवस्था के दौर में टैक्स के जरिए राजस्व बढ़ाने की सरकारों की मजबूरी को खारिज भी नहीं किया जा सकता। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की एक वजह राजस्व की यह जरूरत भी है। सरकार पर आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं और सब्सिडी की व्यवस्था करने का दबाव भी होता है, लेकिन इन तमाम जरूरतों के बीच उस आम आदमी की परेशानी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जो तेल के बढ़ते दाम की वजह से खुद को बेबस महसूस कर रहा है। तेल पर जीरो टैक्स की उम्मीद कोई नहीं कर रहा, लेकिन कोरोना काल में जिस तरह सरकार की आमदनी सीमित हुई है, उसी तरह आम आदमी की कमाई भी प्रभावित हुई है। ऐसे में तेल के दाम में थोड़ी कटौती भी आम आदमी के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। कुछ राज्यों में तो इसकी शुरु आत भी हो गई है।

असम की सरकार ने कोरोना के दौरान लगे अतिरिक्त कर को वापस लिया है, जिससे पेट्रोल वहां पांच रुपये तक सस्ता हुआ है। मेघालय ने भी अपने प्रदेशवासियों को इसी तरह की राहत पहुंचाई है। कुछ दिन पहले राजस्थान ने भी दो फीसद वैट घटाया है। बाकी राज्यों के साथ केंद्र सरकार भी अगर इस दिशा में कुछ पहल करे, तो देशवासियों को पूरी तरह से न सही, कुछ राहत तो मिल ही जाएगी। हालांकि सरकार भी यह जानती है कि टैक्स में राहत इस समस्या का स्थायी इलाज नहीं है। इसलिए सरकार ने इसके विकल्पों पर काम करना शुरू भी कर दिया है। हाल ही में तमिलनाडु में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता को कम करने की जरूरत बताई है। इसके लिए मौजूदा सरकार पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का कार्यक्रम चला रही है। फिलहाल पेट्रोल में 8.5 फीसद तक एथेनॉल मिलाया जाता है, जिसे 2025 तक 20 फीसद तक पहुंचाने का लक्ष्य है। तेल आयात को कम करने के साथ ही इससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। पिछले छह-सात साल में तेल और गैस के नये कुओं की खोज पर भी काफी काम हुआ है। तेल आयात को सीमित करने के साथ ही सरकार तेल की खपत को भी कम करने का प्रयास कर रही है। कई देशों ने सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा और पनिबजली से पैदा होने वाली ऊर्जा को तेल के विकल्प के रूप में कामयाबी से अपनाया है। हमारे यहां भी सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल को प्रोत्साहित करने की नीति बनाई है, लेकिन इसके नतीजे आने में अभी 10-15 साल और लगेंगे। सरकार एलएनजी यानी लिक्विड नाइट्रोजन गैस के विकल्प पर भी गंभीरता से विचार कर रही है। एलएनजी डीजल के मुकाबले करीब 40 फीसद सस्ती होती है और सीएनजी से ज्यादा ज्वलनशील होने के कारण बस-ट्रक जैसी लंबी दूरी के वाहनों में ज्यादा बेहतर परिणाम देती है, लेकिन इन तमाम विकल्पों को जमीन पर उतरने में वक्त लगेगा, जबकि सरकार के सामने चुनौती फौरी राहत पहुंचाने की है। ऐसा नहीं है कि महंगा तेल आम आदमी पर ही भारी पड़ रहा है, सरकार भी इसकी कीमत चुकाने के खतरे से बाहर नहीं है। उसके सामने एक तरफ अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती है, तो दूसरी तरफ सियासी जमीन पर पकड़ मजबूत रखने का चैलेंज भी है। पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव सिर पर हैं और महंगा तेल दोनों राज्यों में उसके सियासी लक्ष्य को धुंधला कर सकता है। वैसे पिछले छह साल के कार्यकाल में सरकार ने मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों का कुशलता से हल निकाला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार उसी कुशलता से इस चुनौती का भी कोई-न-कोई हल जरूर निकाल लेगी।

बाइडेन की विदेश नीति

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपना कार्यकाल शुरू होने के एक महीना पूरा होने पर अपनी विदेश नीति के बारे में विस्तार से एक रूपरेखा प्रस्तुत की। बाइडेन ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में जर्मनी की चांसलर एंजेला मार्केल और फ्रांस के राष्ट्रपति इमेन्वुएल मैक्रो की मौजूदगी में यूरोप, एशिया, चीन और रूस के बारे में अपने प्रशासन की सोच और रवैये को जाहिर किया। कोरोना वायरस महामारी, विश्व अर्थव्यवस्था की बहाली के साथ ही उन्होंने लोकतंत्र और मानवअधिकार के मुद्दे पर भी अपने विचार रखे। बाइडेन ने अपने प्रशासन के लिए 100 दिन का एजेंडा रखा था। अब तक एक तिहाई समय बीत चुका है तथा इस बात का आकलन किया जा रहा है कि बाइडेन प्रशासन किस ओर जा रहा है। नये प्रशासन के महत्त्वपूर्ण निर्णयों में जलवायु परिवर्तन के बारे में अपनी वचनबद्धता पर वापस लौटने तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में फिर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के फैसले शामिल हैं। बाइडेन ने जलवायु परिवर्तन संबंधी पेरिस समझौते के साथ फिर जुड़ने का फैसला किया जो विश्व मानवता के समक्ष उपस्थित प्रमुख चुनौती का सामना करने के लिहाज से बहुत महत्त्वपूर्ण है।

म्यूनिख सम्मेलन में बाइडेन मुख्य रूप से यूरोपीय नेताओं की ओर मुखातिब थे। उन्होंने यूरोपीय नेताओं को आश्वासन दिया कि अमेरिका उनके साथ है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका और यूरोप के बीच जो अविास और खाई बनी थी, उसे दूर करने का बाइडेन ने प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि 'अमेरिका वापस लौट आया है।' इस कथन की एक व्याख्या यह हो सकती है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बारे में अमेरिका ट्रंप के पहले की स्थिति में लौटेगा। अमेरिका के वापस लौटने से 'कुछ देश खुश और आश्वस्त होंगे तो कुछ अन्य देशों में आशंका और भय पैदा होगा।' बाइडेन ने नाटो को मजबूत बनाने और यूरोप की सुरक्षा के प्रति अपने पुराने रवैये पर लौटने का एलान किया। उन्होंने सैन्य संगठन नाटो की सक्रियता पर जोर देते हुए कहा कि किसी एक नाटो देश पर हमला संगठन के सभी देशों पर हमला है। उन्होंने जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों को हटाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले को रद्द करने की घोषणा की। हाल के वर्षो में अमेरिका यूरोप की बजाय एशिया को भूरणनीतिक दृष्टि से सबसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्र मानता रहा है। अब बाइडेन ने यूरोप को फिर पहले जैसा महत्त्व देने की बात की है।

नये अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन की बजाय रूस को अपना मुख्य निशाना बनाया। यह भी यूरोप केंद्रित सोच का नतीजा है। बाइडेन ने रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन का नाम लेकर उनकी आलोचना की। उन्होंने रूस पर अमेरिका, यूरोप और अन्य लोकतांत्रिक देशों में अस्थिरता और अविास पैदा करने का आरोप लगाया। बाइडेन ने एक ओर नया शीतयुद्ध शुरू नहीं करने की बात की वहीं रूस के विरुद्ध अपने आक्रामक रवैये से यह संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट आ सकती है।

चीन के बारे में बाइडेन ने अपेक्षाकृत नरम रवैया अपनाया। ट्रंप प्रशासन ने चीन पर पूर्वी लद्दाख, दक्षिणी चीन सागर, ताइवान, हांगकांग और शिंजियांग प्रांत में आक्रामक गतिविधियां और कार्रवाई करने के जो आरोप लगाए थे, वे बाइडेन के संबोधन में नदारद रहे। बाइडेन ने चीन के साथ 'कड़ी प्रतिस्पर्धा' की बात कही लेकिन 'कड़ी प्रतिस्पर्धा' के संदर्भ में उनका मुख्य जोर आर्थिक गतिविधियों को लेकर था। व्यापार युद्ध से जुड़े मुद्दों को लेकर बाइडेन ने चीन के विरुद्ध सख्त रवैया अपनाने के संकेत दिए। बाइडेन ने अपने संबोधन में लोकतंत्र की दुहाई देते हुए इसे शासन-प्रशासन की सबसे अच्छी प्रणाली बताया। उन्होंने दुनिया में अधिनायकवादी नेताओं के उभरने पर भी चिंता व्यक्त की। लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर बाइडेन के जोर देने से आने वाले दिनों में प्रशासन विभिन्न देशों के साथ कैसे संबंध बनाएगा, इसका निर्धारण होगा। भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका के सत्ता प्रतिष्ठान में बहुत से लोग हैं जो बाइडेन से यह अपेक्षा रखते हैं कि वह लोकतंत्र और मानवाधिकारों को अपनी विदेश नीति का मुख्य आधार बनाएं।

झल्लन ने बनाई अपनी टूलकिट

जब झल्लन आया तो हाथ में चार-छह पन्ने भी दबा लाया। हमने कहा, 'ये कैसे कागज हैं झल्लन जो तू इतने प्यार से हाथ में सहेजे हुए है, लगता है जैसे तुझे कोई प्रेम पत्र भेजे हुए है।'

झल्लन बोला, 'क्या ददाजू, आजकल किसे तो प्रेम पत्र लिखना है और किसे प्रेम पत्र लिखवाना है। ये तो फोन, चैट और मैसेंजर का जमाना है। आज की दुनिया में आपकी जुबान पर प्रेम पत्र की बात आ रही है, जरूर आपको अपनी कोई प्रेम कहानी सता रही है। वैसे भी ददाजू, आज की दुनिया में प्रेम-वेम तो खत्म हो गया है, न जाने लोग मोहब्बत और प्रेम को कहां दफना आये हैं, हम तो बस अपनी एक टूलकिट बनाए हैं वहीं आपको सुनाने लाये हैं।' हमने हैरानी से झल्लन को निहारा तो उसने अपने हाथ के कागजों को संवारा फिर हमारे सामने पसारा और बोला, 'हैरान न होइए ददाजू, आजकल हर जगह टूलकिट चर्चा में आ रही है और जो भी टूलकिट बनाता-बनवाता है उसी की जमात मीडिया में छा रही है। सो, हम सोचे कि हम भी अपनी एक टूलकिट बना लें और सबसे पहले आपको दिखा लें।'

हमने कहा, 'टूलकिट बनाने और मीडिया में छाने की बात तो ठीक, पर जो भी टूलकिट बना-बनवा रहा है वह पुलिस के हत्थे चढ़ सीधे जेल जा रहा है।' झल्लन बोला, सुनिए ददाजू, जो लोग कम्प्यूटर पर टूलकिट बनाए हैं, फिर उसे एडिट-वैडिट कर इधर-उधर भिजवाएं हैं वही पुलिस के चंगुल में फंस पाये हैं। तभी न हम अपनी टूलकिट कागज पर बनाकर लाये हैं, अभी तक किसी को भी नहीं दिखाएं हैं, अपनी टूलकिट लेकर सीधे आपके पास चले आये हैं।' हमने कहा, 'आखिर तू अपनी इस टूलकिट से कौन सा षडयंत्र रचाएगा, किसको उकसाएगा और कहां दंगा भड़काएगा?' झल्लन बोला, 'अपनी बुद्धि पर तरस खाओ ददाजू, हम क्या आपको दंगाई नजर आते हैं जो अपनी टूलकिट देश-विदेश से मंगवाते-भिजवाते हैं।

हम तो अपनी टूलकिट खुद अपने लिए बनाए हैं और पूरी टूलकिट में खुद को ही संबोधित किये हैं और इसमें सारे-के-सारे पर्सनल टच लगाए हैं।' हमने कहा, 'जब खुद को ही संबोधित करना था, न इसे मीडिया में लाना था, न पुलिस के हत्थे चढ़वाना था तो तुझे टूलकिट बनाने की खुजली क्यों हो रही थी, बिना टूलकिट के क्या तुझे रोटी हजम नहीं हो रही थी? खैर, बता क्या बना लाया है, अपनी टूलकिट में तूने अपने लिए कौन-सा गंभीर मसला उठाया है?'

झल्लन हमारी ओर देखकर मुस्कुराया, फिर उसने हाथ के कागजों को इधर-उधर घुमाया और बोला, 'तो ददाजू, हमारी टूलकिट ने हमारे कई बेशकीमती घंटे लिये हैं इसलिए हम अपनी टूलकिट अपने-आप से ही शुरू किये हैं। हमने लिखा है, 'हे झल्लन, टूलकिट बनाना बच्चों का खेल नहीं, यह मंजे हुए लोगों की मंजी हुई कला है और तू इस कला में पूरमपूर अनाड़ी है सो तू टूलकिट से दूर रहे इसी में तेरा भला है। तू किसानों के लिए टूलकिट बनाएगा तो सरकार तुझे तोड़ेगी और अगर सरकार के लिए टूलकिट बनाएगा तो आंदोलनजीवियों और मानवाधिकारियों की महान क्रांतिकारी जमात तुझे नहीं छोड़ेगी, इसलिए टूलकिट के बिना काम चलाना, टूलकिट के चक्कर में दिल-दिमाग मत खपाना और अपना खून मत जलाना।' हमने मुस्कुराकर झल्लन की ओर देखा और कहा, 'तो तूने अपनी टूलकिट की शुरुआत टूलकिट न बनाने से की है, आखिर टूलकिट-न-बनाने की टूलकिट बनाने की प्रेरणा तूने कहां से ली है?' झल्लन बोला, 'टोका-टाकी मत कीजिए ददाजू, ध्यान से सुनते जाइए और हमारे साथ हमारी टूलकिट के दूसरे प्वाइंट पर आइए। न जाने कैसे-कैसे खयालों में डूबकर कुछ अधपके बच्चे खयाली क्रांति के खयाली पुलाव पका लेते हैं और इस पुलाव का स्वाद इधर-उधर चखाने के लिए टूलकिट बना लेते हैं। इन्हें यह भ्रम हो जाता है कि ये सौ-पचास लोग जो सोच रहे हैं वही सही सोच रहे हैं और वे अपनी इस सोच के बल पर दुनिया बदल डालेंगे, उनकी समझ से वे जिसे अन्याय समझते हैं उसे मिटा डालेंगे और उधर देश बनकर जो सौ-पचास करोड़ की भीड़ खड़ी है वो डर जाएगी, उनकी आरती उतारेगी या उनके चरणों में झुक जाएगी। ऐसे लोग मूर्ख ही नहीं कायर भी होते हैं और अपना काम करने के लिए मुखौटा लगा लेते हैं। इनमें इतनी हिम्मत नहीं होती कि जो कहना चाहते हैं वह खुलकर कहें और जो करना चाहते हैं उसे छिपकर नहीं बल्कि निडर होकर सामने करें। जब ये ज्यादा कुछ नहीं कर पाते तो टूलकिट ही बना लेते हैं, जब तक चीजें खुलती नहीं तब तक चला भी लेते हैं मगर अंतत: बहुतों के साथ अपनी गर्दन भी फंसा लेते हैं। इसलिए हे झल्लन, टूलकिट मत बनाना और अपना काम बिना टूलकिट के ही चलाना।'

हमने कहा, 'वाह झल्लन, तेरी टूलकिट तो तेरे अपने दिल-दिमाग की झांकी है, ये पूरी हो गयी या अभी भी इसमें कुछ बाकी है?' झल्लन बोला, 'ददाजू, टूलकिट तो बहुत लंबी है अगर सुनाएंगे तो घंटों लग जाएंगे और दूसरे आप झल्लन की टूलकिट को समझ ही नहीं पाएंगे। इसलिए हमारी टूलकिट की अंतिम बात यह है कि हे झल्लन, तू भले अपनी टूलकिट बनाना, चाहे जहां चलवाना पर भूलकर भी ग्रेटा थनवर्ग को मत भिजवाना।'

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

बुरहानपुरः 22 लाख रुपए का प्रतिबंधित विमल गुटका जब्त

बुरहानपुर। इच्छापुर से मात्र दो किलो मीटर की दूरी पर अंतुर्ली फाटे पर महाराष्ट्र पुलिस ने मप्र के बुरहानपुर से आने वाले विमल तंबाखू पान मसाला के वाहन को रोककर 22 लाख रुपए का माल जब्त किया। वाहन क्रं.एमएच 28 बीबी 757 को महाराष्ट्र पुलिस ने जब्त कर 16 लाख 22 हजार 720 रुपए का विमल गुटखा पान मसाला एवं वाहन की किमत करीब पांच लाख रूपये कुल रकम 22 लाख रुपए का लागत से अवैध तरीके से माल ले जाने वाले मालिक गोविंदा विश्वनाथ गोविंदा सुभाष आखारे को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार कर मुक्ताई नगर थाने ले जाया गया। महाराष्ट्र सरकार ने गुटखा पान मसाला पर प्रतिबंध गला रखा है। इसके बावजूद भी राज्य की सीमा से लगे बुरहानपुर ईच्छापुर से लाखों रुपए की हेराफेरी हो रही है।

बड़वानीः चालानी कार्रवाई के बाद बस संचालक हड़ताल पर

बड़वानी। खरगोन और बड़वानी जिलों के बस संचालक परिवहन विभाग द्वारा उनकी बसों को जब्त करने तथा अन्य दिक्कतों को लेकर रविवार को हड़ताल पर चले गए। बस ओनर्स एसोसिएशन के संरक्षक रंजीत डंडीर और जिला अध्यक्ष राजेंद्र पाल सिंह भाटिया ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा बसों के परमिट व फिटनेस को लेकर चेकिंग के उपरांत 25 बसों पर चालानी कार्रवाई कर जब्त करने व अन्य परेशानियों के विरोध में आज खरगोन बड़वानी जिलों की 750 बसों का संचालन नहीं किया गया। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि वे गाड़ियों की कमी देख चालान बनाकर दंडित करने की बजाय उन्हें जब्त करा रही हैं जिसके चलते कई परेशानियां खड़ी हो रहीं है।

खरगोनः एसडीएम ने बैलगाड़ी रेस रोकने के दिए निर्देश

खरगोन। जिले के कसरावद के एसडीएम ने कल प्रस्तावित बैलगाड़ी रेस पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय के मद्देनजर रोक लगा दी है। कसरावद के एसडीएम संघ प्रिय ने बताया कि शनिवार को क्षेत्र के मिर्जापुर से बोरावा तक 8 किलोमीटर की दूरी तक कतिपय लोगों ने बिना अनुमति के बैलगाड़ी रेस का आयोजन किया है। विभिन्न माध्यमों से इस दौड़ के बारे में संज्ञान में आने पर उन्होंने पुलिस तथा राजस्व अमले को निर्देश दिए हैं कि वह इस दौड़ को होने से रोकें। उन्होंने बताया कि इसके लिए आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मौखिक शिकायतों को संज्ञान लेते हुए लेते हुए जांच कराई गई है जिसमें पता चला है कि बाहर के लोग वहां इस रेस के लिए आते हैं।

बैतूलः ट्रक-बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

बैतूल। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के नागपुर-भोपाल हाईवे पर रविवार को तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पाढर बस्ती के पास शाम करीब साढ़े पांच बजे इटारसी की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को ज़ोरदार टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। अभी तक दोनों युवकों की पहचान नही हो पाई है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर दोनों शवों को जिला अस्पताल भेजा,जहाँ आज पोस्टमार्टम होगा।

ग्वालियरः आरपीएफ ने महिला रेल टिकट दलाल को पकड़ा

ग्वालियर। आरपीएफ व उसकी डिटेक्टिव विंग ने प्रयागराज आरपीएफ मुख्यालय से मिली सूचना पर बीती रात स्टेशन बजरिया स्थित एक ट्रेवल संचालक के प्रतिष्ठान पर छापामार कार्रवाई कर दूसरे लोगों की पर्सनल यूजर आईडी से रेल आरक्षित टिकट बनाते हुए एक महिला सहित युवक को रेलवे एक्ट के तहत गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। आरपीएफ निरीक्षक एएस पाण्डे ने बताया कि प्रयागराज आरपीएफ मुख्यालय से सूचना मिली थी कि स्टेशन बजरिया स्थित जय बाबा ट्रैवल्स संचालक दूसरे लोगों की पर्सनल यूजर आईडी का उपयोग कर रेल आरक्षित टिकट बुक कर टिकट दर से दो सौ से तीन सौ रुपए अधिक राशि वसूलकर रेलवे को चूना लगा रहा है। दबिश के दौरान छापामार टीम को एक युवक मनीष बाथम व रंजीता गुप्ता को 4 पर्सनल यूजर आइडियों पर रेल यात्रा टिकट बेचने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया।

रायपुरः छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र आज से

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है। सत्र के काफी हंगामेदार होने की संभावना है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने रविवार को बताया कि बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। अगले दिन 23 फरवरी को चार दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जायेंगी और चालू वित्त वर्ष का तृतीय अनुपूरक प्रस्तुत होगा। आगामी एक मार्च को वित्त विभाग का भी दायित्व संभाल रहे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आगामी वित्त वर्ष का बजट पेश करेंगे। उन्होने बताया कि दो दिन बजट पर सामान्य चर्चा होंगी जबकि विभागवार अनुदान मांगों पर 04 मार्च से 23 मार्च तक चर्चा होंगी। 24 मार्च को विनियोग विधेयक पेश होगा।

लुकाछुपी खेलते समय में फ्रीजर हुआ लॉक, अंदर फंसे छह वर्षीय मासूम की मौत

टीकमगढ़, (एजेंसी)। लिधौरा नगर के वार्ड नंबर 5 में हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां अपनी मां के साथ नाना के घर आए छह वर्षीय बालक की लुकाछुपी खेलते समय फ्रीजर में बंद होने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा है।

जानकारी अनुसार राजीव गुप्ता (6) निवासी तालबेहट अपनी मां के साथ वार्ड नंबर 5 में निवासरत नाना प्रभु दयाल खर्द के यहां धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आया था। नाना प्रभु दयाल खर्द के बाडे में व्यापारी कदीर पुत्र रशीद खां बर्फ व्यवसाई की गाड़ी में फ्रीजर रखा हुआ था। बालक लुका छुपी का खेलते समय फ्रीजर में छुप गया । यहां जैसे ही वह अंदर पहुंचा फ्रीजर लॉक हो गया और बह अंदर ही बंद हो गया। जब राजीव काफी समय से दिखाई नहीं दिया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन की और बाद में फ्रीजर खोलकर देखा तो वह उसमे बेसुध पड़ा था। परिजन आनन फानन में उसे डाक्टर के पास लेकर पहुंचे,लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। अचानक सामने आई घटना ने समूचे नगर में मातम फैला दिया है।

सेल्फी लेते समय हरसी की मुख्य नहर में बहा युवक, डूबने से मौत

बचाने के लिए नहर में कूदे चार परिजनों को ग्रामीणों ने बचाया

डबरा, (एजेंसी)। बेलगड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हरसी बांध की मुख्य नहर में रविवार की शाम को एक युवक नहर में पानी पीने के बहाने उतार एवं अपनी सैल्फी लेने लगा। इस दौरान चूकने से युवक नहर में बह गया। युवक को पानी में बहते हुए देख युवक के परिजनों में शामिल दो महिलाएं एक युवक का भाई एवं एक बालिका बचाने के लिए नहर में कूद गए। जिनकी चीख-पुकार सुनकर नहर पर उपस्थित अन्य ग्रामीण नहर में कूदे और दोनों महिलाओं और युवक और युवती को सकुशल बचा लाए। लेकिन लगभग दो घंटे बाद युवक का शव मिला।

जानकारी के अनुसार गब्बर सिंह कुशवाह(30) पुत्र रतिराम कुशवाह निवासी न्यू रेलवे कॉलोनी तानसेन रोड किला गेट के पास ग्वालियर रविवार की सुबह अपने परिजनों के साथ चार पहिया वाहन से शिवपुरी जिले की नरवर स्थित लोड़ी माता के दर्शनों के लिए अपने परिवार जनों के साथ गया हुआ था। इसी दौरान बैलगड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हरसी डैम की मुख्य नहर जिसमें पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके पास युवक अपना वाहन रुकवा कर नहर में पानी पीने के लिए उतरा, और पानी पीने के बाद नहर के अंदर मोबाइल से सेल्फी लेने लगा।

इसी दौरान उक्त युवक का पैर चूक गया और वह नहर के पानी में बहने लगा। जिसे बचाने के लिए युवक के परिजन संतोष, जीतू, पूनम एवं एक अन्य युवती नहर में कूद गए, लेकिन नहर के पानी के बहाब के आगे और तैरना ना जानने के कारण नहर में कूदें लोग पानी में गोता खाने लगे। जिनकी चीख-पुकार सुनकर नहर के दूसरे छोर पर बैठे ग्रामीणों नहर में कूद गए और चारों लोगों को सकुशल बाहर निकाल लाए।

एक परिवार के चार लोग लिफ्ट में फंसे, ढाई घंटे घंटे बाद निकाला

रीवा। जिले के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल पाल रेसीडेंसी में शादी की शालगिरह मनाने गया परिवार वापस लौटते वक्त लिफ्ट में फंसा गया। जिन्हें करीब दो घंटे के बाद पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

बता दें की रीवा के अर्जुन नगर स्थित विद्युत विभाग में पदस्थ सब इंजीनियर राजेश श्रीवास्तव शनिवार की रात तकरीबन 11 बजे अपनी शादी की सालगिरह की पार्टी मनाने रीवा के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल पाल रेसीडेंसी गए हुए थे। रात लगभग 1:30 बजे जब पार्टी खत्म हुई तो वह होटल की पांचवीं मंजिल से अपने परिवार के साथ लिफ्ट में चढ़े, लेकिन नीचे उतरते समय कुछ दूरी तक आते ही लिफ्ट अचानक बंद पड़ गई। लिफ्ट के अंदर फंसे परिवार के सदस्यों ने जब शोर मचाना शुरू किया तो अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। होटल मैनेजमेंट के द्वारा करीब 2 घंटे तक लिफ्ट में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन वह उन्हें बाहर निकालने में असफल रहे। जिसके बाद लिफ्ट के अंदर फंसे इंजीनियर राजेश शर्मा ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के दल ने ढाई घंटे से यहां फंसे परिवार को लिफ्ट का गेट खोलकर सुरक्षित बाहर निकाला।

प्रदेश में माफिया मुक्त अभियान के तहत दो बड़ी कार्रवाई

इंदौर में भू-माफिया दीपक का रसूख किया ध्वस्त

खजराना स्थित हिना प्लेस कॉलोनी में कब्ज़ा हटाया

इंदौर (एजेंसी)।

जिला प्रशासन द्वारा चलाई जा रही भू-माफियाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खजराना क्षेत्र में स्थित हिना कॉलोनी में भूमाफिया दीपक जैन (मद्दा) के अवैध निर्माण को जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने हटाया।

जिले में कलेक्टर मनीष सिंह ने विभिन्न गृह निर्माण समिति के सदस्यों को उनका हक दिलाते हुये प्लाट दिलवाने हेतु विशेष मुहिम प्रारंभ की है। इसी मुहिम में जहां एक ओर भू-माफियाओं के विरूद्ध रासुका लगाई है और अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर उनके द्वारा कब्जाई गई भूमि को भी मुक्त कराने की कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में जिला प्रशासन, नगर निगम तथा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से खजराना क्षेत्र के हिना पैलेस कॉलोनी में कार्रवाई की गई।

भू-माफिया दीपक जैन द्वारा खजराना क्षेत्र में अवैध कॉलोनी हिना पैलेस का विकास किया जा रहा था। जिसकी रिमूवल कार्रवाई की गई। कार्यवाही के अंतर्गत लगभग एक हजार मीटर लंबाई की तथा 15 फीट से अधिक ऊंचाई की दीवार एवं कॉलोनी के अंदर बनाए गए प्लिंथ लेवल के बीम कॉलम हटाने की कार्रवाई की गई। उक्त आरोपी को रासुका में भी निरुद्ध किया गया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान नगर निगम की उपायुक्त लता अग्रवाल, नगर निवेशक विष्णु खरे, भवन अधिकारी असित खरे, भवन निरीक्षक नवीन बुंदेला, रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे तथा जिला एवं प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यवाही में दो जेसीबी एक पोकलेन का उपयोग किया गया।

सागर में ट्रैफिक एसआई से मारपीट करने वाले आरोपी का मकान किया ध्वस्त

सागर। रविवार को प्रशासन द्वारा गोपालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांजा तस्कर का मकान तोड़ा गया तो वहीं दूसरी ओर मोतीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा करीला में ट्राफिक एसआई से मारपीट करने वाले एक आरोपी का मकान तोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार मोतीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को एसआई धर्मेंद्र सिंह के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों में से एक आरोपी गणेश अहिरवार का मकान रविवार को निगम, राजस्व तथा पुलिस द्वारा की गई संयुक्त कार्यवाही में तोड़ा गया है। अधिकारियों का कहना है कि गणेश अहिरवार अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जो आये दिन लोगों से मारपीट तथा उन्हें धमकाने का काम करता है जिसके चलते उसका मकान तोड़ा गया। जो हिस्सा बिना अनुमति के बनाया गया था टीम द्वारा उस हिस्से को तोड़ा गया है। वहीं दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि गणेश अहिरवार द्वारा एसआई के साथ मारपीट की गई जिसके कारण प्रशासन द्वारा यह कार्यवाही चौबीस घंटे के भीतर की गई है।

20 वर्षीय युवती का अपहरण कर फार्म हाउस पर ले जाकर किया सामूहिक दुष्कृत्य

बेहोशी की हालत में घर के दरवाजे पर फेंक गए

शहडोल, (एजेंसी)। जिले के जैतपुर थाना अंतर्गत 20 वर्षीय युवती के अपहरण व दुराचार करने के बाद बेहोशी की हालत में दरवाजे के पास फेंक जाने का मामला सोशल मीडिया में रविवार को दिन भर चर्चा में रहा, लेकिन पुलिस ने अपहरण की खबर का खण्डन करते हुए एक व्यक्ति के द्वारा दुराचार करने की बात को ही स्वीकार किया है।

पीड़िता तीन दिन से थी लापता

पुलिस की माने तो पीड़ित युवती 18 फरवरी से घर से लापता थी, जिसकी परिवारजनों द्वारा दो दिन तलाश की गई, लेकिन जब उसका कहीं कोई शिनाख्त नहीं चला तो, जैतपुर थाने में परिजनों द्वारा शनिवार को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस तलाश ही कर रही थी, इसी दौरान रात को पीड़ित को घर के दरवाजे के पास कराहते हुए सुना गया, तब परिवारजनों ने घटना की पूरी जानकारी पुलिस को दी।

बयान में पीड़िता ने एक का बताया नाम : थाना प्रभारी जैतपुर ने बताया कि मेरे द्वारा पीड़िता का प्राथमिक बयान लिया गया है, जिसमें एक युवक राजेश शुक्ला का नाम बताया गया है, लड़की को राजेश शुक्ला अपने फार्म हाऊस में रखा हुआ था और उसके साथ दुराचार किया। सोशल मीडिया में चल रहे चार अन्य युवकों के शामिल होने की खबर का पीड़िता ने खण्डन किया है, राजेश शुक्ला ही इस घटना का मुख्य आरोपी है। सोशल मीडिया में विजय त्रिपाठी का नाम आने से घटना आग की तरह फैल गई, विजय त्रिपाठी जैतपुर भाजपा मण्डल अध्यक्ष भी हैं, जिसको लेकर सुबह से ही सच्चाई जानने के लिए अटकलों का दौर चलता रहा, लेकिन शाम को जैतपुर नगर निरीक्षक ने राकेश शुक्ला का नाम लेकर चर्चाओ पर विराम लगा दिया।

इनका कहना है...

घटना कारित हुई है, जिसमें चार युवकों के नाम गिनाये जा रहे हैं, जिसमें विजय त्रिपाठी, राजेश शुक्ला, मोनू शर्मा, मुन्ना सिंह शामिल है, दरअसल इस मामले की विवेचना जारी है, जिसमें घटना में हकीकत में शामिल लोगों के नाम स्पष्ट हो सकेंगे।

मुकेश वैश्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल

अपहृत लड़की को हरियाणा के कुख्यात छह लाख के इनामी बदमाशों के चंगुल से मुक्त कराया

खरगोन, (एजेंसी)। बलकवाड़ा थाना क्षेत्र से 6 महीने पूर्व अपहृत हुई एक युवती को हरियाणा के छह लाख रुपए के इनामी बदमाशों के चंगुल से छुड़ा लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ने रविवार को बताया कि बलकवाड़ा थाना क्षेत्र से 22 अगस्त 2020 को अपहरण की गई युवती को हरियाणा के सोनीपत से बरामद कर लिया गया। उन्होंने कहा कि उसके अपहरण के आरोप में कुख्यात बदमाशों अनन्त यादव निवासी बहादुरगढ़ थाना हरियाणा तथा उसके साथी प्रिंस दहिया निवासी थाना खरखोदा जिला सोनीपत के विरुद्ध अपहरण का प्रकरण दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध दिल्ली हरियाणा समेत पांच राज्यों में कई प्रकरण दर्ज है और उन पर सवा पांच लाख और एक लाख का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों आरोपी दरअसल फरारी के सिलसिले में बलकवाड़ा क्षेत्र आए थे और उन्होंने उक्त युवती का अपहरण कर लिया था। वे कुछ दिन इंदौर रहे और उसके बाद विभिन्न स्थानों से होते हुए सोनीपत पहुंचे थे।

शराब से कई घर बर्बाद, अपनी इच्छा से छोड़ें : उमा भारती

पूर्व मुख्यमंत्री अपने गृह ग्राम डूंडा पहुंचीं

टीकमगढ़, (एजेंसी)। शराब पीने से हजारों लोगों की जान जा चुकी है। कई घर बर्बाद हो चुके हैं। इसलिए सभी को अपनी इच्छा से शराब छोड़ देना चाहिए। यह बात रविवार को भाजपा की फायर ब्रांड नेत्री एवं मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपने गृह ग्राम डूंडा में कही। वे अपनी मां बेटी बाई की पुण्यतिथि के अवसर पर डूंडा पहुंची थीं। उन्होंने मां की समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद गांव में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में लोगों को संबोधित किया।

दरअसल प्रदेश के मुरैना जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद उमा भारती ने शराब पर पाबंदी लगाने का बयान दिया था। इस संबंध में उन्होंने प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित कर आंदोलन करने की बात भी कही थी। रविवार को जिले के दौरे पर आईं सुश्री भारती से जब मीडिया ने आंदोलन के बारे में सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और

प्रदेश अध्यक्ष शराब के खिलाफ हैं, लेकिन इससे मिलने वाले राजस्व के चलते पूर्णतः पाबंदी नहीं लगा पा रहे हैं।

गैरजरूरी शराब दुकानें हटेंगी

उमा भारती ने कहा कि प्रदेश सरकार ऐसी शराब दुकानों की सूची तैयार कर रही है। जहां शराब दुकान से लोगों को परेशानी हो रही है। ऐसी चिन्हित दुकानों को बंद किया जाएगा। गौरतलब है कि उमा भारती के शराब बंदी वाले बयान के बाद मप्र की राजनीति में उलटफेर के बाद में संगठन ने इस मुद्दे को शांत करा दिया। संगठन और सरकार के ठोस आश्वासन के बाद ही उमा ने आंदोलन का फैसला बदला है।

दो दुकानों पर छापामार कर जब्त किए बाघ, गोह व उल्लू समेत कई दुर्लभ जीवों के अंग

रतलाम। वाइल्ड लाइफ इंडिया तथा वन विभाग की टीम ने शहर के दो कारोबारियों के यहां छापा मार प्रतिबंधित दुर्लभ व संरक्षित श्रेणी के वन्य प्राणियों के अंगों को जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान दोनों व्यापारियों के यहां से बाघ, उल्लू, गोह, जंगली बिल्ली सहित कई वन्य प्राणियों के भारी मात्रा में अंग व अवशेष मिले है।

वाइल्ड लाइफ इंडिया व वन विभाग की कार्रवाई

वन मंडालिधिकारी डीएस डोडवे ने बताया कि सूचना पर शहर के कुछ व्यापारी प्रतिबंधित और दुर्लभ वन्य प्राणियों के अंगों का अवैध कारोबार कर रहे है, जिसके बाद वाइल्ड लाइफ इंडिया ओर वन विभाग ने जिला पुलिस की मदद से मिर्ची गली माणक चौक के हकीमुद्दीन-गुलामअली तथा चौमुखीपुल के पास राजेश पटवा की दुकान पर ग्राहक बनकर टीम भेजी ओर सामग्री आते ही छापा बोला। यहां तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्र जब्त हुई जिसमें वन्य प्राणियों के अंग-प्रत्यंग शामिल हैं। इस दौरान दोनों दुकानों को सील कर दिया गया है। फर्म संचालकों हकीमुद्दीन तथा राजेश पटवा, संजय पटवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

प्रदेश में फिर बढ़े कोरोना के मामले 24 घंटे में आए 299 नए केस

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश के इंदौर में दो मरीजों की मौत हुई। प्रदेश में रविवार को सबसे अधिक मामले इंदौर में आए। राज्य स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा रविवार को यहां जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान 14834 नए सेंपल जांच गए। इनमें कोरोना संक्रमण के 299 नए मरीज मिले। नए मरीजों में सर्वाधिक मामले इंदौर में आए, जहां 135 लोगों की रिपोर्ट पॉजीटिव प्राप्त हुई।

प्रदेश में अब तक 2,59,427 लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर 238 आज नए मरीजों के विभिन्न अस्पतालों से स्वस्थ हो जाने के बाद घर पहुंच गये। अब तक इस महामारी बीमारी को 2,53,522 लोग ने कोरोना को हरा कर घर पहुंच चुके हैं। प्रदेश भर में 3854 मरीज अब तक इस महामारी बीमारी से अपनी जान गवां चुके हैं। प्रदेश में 2051 एक्टिव (उपचाररत) मरीज हैं। बुलेटिन के अनुसार इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर सहित अन्य जिलों में कोरोना के मामले सामने आए हैं। इनमें सर्वाधिक नए मामले राजधानी इंदौर में आए, जहां 135 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। वहीं जबलपुर, ग्वालियर,

नया वायरस स्ट्रेन से महाराष्ट्र से आने वालों पर रखी जाएगी निगरानी

बैतूल। जिले में कोविड के नए वायरस स्ट्रेन के संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत जिला प्रशासन ने आवश्यक कदम उठाए हैं। जिसके तहत महाराष्ट्र राज्य से आने वाले लोगों की निगरानी रखकर उनकी जानकारी संकलित की जाएगी। जानकारी के अनुसार कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस ने रविवार को बताया कि महाराष्ट्र बॉर्डर से आने वाले लोगों की जांच एवं निगरानी के लिए पूर्व से संचालित परतवाड़ा मार्ग पर खोमई बैरियर, प्रभातपट्टन में गौनापुर बैरियर, मुलताई में खंभारा टोल नाके तथा शाहपुर में धार नाके पर राजस्व, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त जांच दल की व्यवस्था की जाएगी, जो जिले के अंदर आने वाले लोगों से कोविड के एसओपी का पालन कराएगा। साथ ही उल्लंघनकर्ताओं पर नियमानुसार जुर्माना इत्यादि की कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। ग्राम पंचायतों एवं सीमावर्ती नगरों में संबंधित कर्मचारियों द्वारा महाराष्ट्र से आने वाले व्यक्तियों की सूची का संधारण कर संदिग्ध मामलों की सूचना संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) को देगा। ऐसे लोगों को आवश्यकतानुसार होम आइसोलेशन भी कराया जाएगा।

सागर, खरगोन, उज्जैन, रतलाम, रीवा, बैतूल, शिवपुरी, नरसिंहपुर में नए मरीज मिले हैं।

कार्रवाई एसटीएफ ने देवास और रतलाम से बरामद किए, सात आरोपियों के खिलाफ दर्ज किए गए केस

अस्पताल से चुराए बच्चे 9 साल 3 माह और 13 साल की उम्र में मिले

बच्चा खरीदने वाले भी बनाए गए आरोपी

इंदौर, (एजेंसी)। एसटीएफ ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए अस्पताल से चुराए गए दो बच्चों को देवास और रतलाम से ढूंढ निकाला है। ये बच्चे सालों पहले चुराए गए थे। देवास से बरामद चुराया गया बच्चा 9 साल 3 माह का हो चुका है। रतलाम से मिला चुराया गया बच्चा 13 साल का हो चुका है। दोनों ही मामलों में कुल 7 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। दोनों ही बच्चे इंदौर के यश क्लीनिक से चुराए गए थे। एसटीएफ, एसपी मनीष खत्री ने बताया की इकाई इंदौर को नवजात बच्चों को जन्म के पश्चात अस्पताल से उसकी माँ से अलग कर अस्पताल स्टाफद्वारा अन्य निः संतान दंपतियों को देने के संबंध में चाइल्ड लाइन की शिकायत मिली थी। जाँच में लीलाबाई को ट्रेस कर पूछताछ की गई जो पहले यश मेटरनिटी क्लीनिक स्कीम नंबर 51 में काम करती थी। लीला बाई नें बताया कि उसने 30 अक्टूबर 2011 को उसकी बहन पुष्पा श्रीवास व पुष्पा के पति प्रभुदयाल श्रीवास के माध्यम से यश क्लीनिक से एक दिन का नवजात शिशु देवास निवासी शिरीष व उनकी पत्नी सुधा को दिया था ।

पहला मामला- बच्चा मिला देवास में

वह बालक अब लगभग 9 वर्ष 3 माह का हो गया होगा उसके गोद लेने का कोई कागजात तैयार नहीं किए गए थे । जिस पर कार्यवाही हेतु टीम ने देवास में जाँच की, शिरीष एवं सुधा के पास पुष्टि करने पर एक बालक आयु लगभग 9 वर्ष 3 माह का होना पाया। पूछताछ करने पर शिरीष व सुधा ने उसे यश क्लिनिक से गोद लेना बताया परन्तु उनके पास गोद लिए जाने सम्बन्धी कोई भी अनुमति व दस्तावेज नहीं मिले। नोटिस दिए जाने पर शिरीष द्वारा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जिसमे जन्म स्थान देवास बताया जाकर अपने आपको माता पिता बताया था । पुष्टि व जाँच के बाद यह पाया कि लीलाबाई, शिरीष इंदुल्कर, सुधा इंदुल्कर , पुष्पा श्रीवास एवं प्रभुदयाल श्रीवास एवं अन्य द्वारा नवजात शिशु को यश क्लीनिक से उसकी माँ के विधिक संरक्षरण से अपहरण किया गया। उसका जन्म शिरीष के निवास देवास में होना बताकर इस संबंध में नगर निगम देवास में जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर अवैध लाभ अर्जित करने व नवजात बालक का अपहरण करने का योजना बनाकर षडयंत्र करने का कृत्य किया गया एसटीएफइकाई इंदौर में केस दर्ज कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दूसरा मामला- बच्चा मिला रतलाम में

आरोपी लीला बाई से पूछताछ में उसके द्वारा एक अन्य बच्चे को यश क्लिनिक से ही रतलाम निवासी उसकी समधन व समधी को देना बताया। टीम ने चाइल्डलाइन स्टाफके साथ रतलाम जाकर बालक (आयु 13) को अजय कुमार एवं स्वर्णलता के पास होना पाया। पूछताछ करने पर अजय कुमार एवं स्वर्णलता ने उसे यश क्लिनिक से गोद लेना बताया परन्तु उनके पास गोद लिए जाने संबंधी कोई भी अनुमति व दस्तावेज नहीं मिले। नोटिस दिए जाने पर शिरीष द्वारा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जिसमे जन्म स्थान यश क्लिनिक इंदौर बताते हुए अपने आपको माता पिता बताया था। पुष्टि व जाँच उपरांत यह पाया की लीलाबाई, अजय कुमार एवं स्वर्णलता द्वारा नवजात शिशु को यश क्लीनिक से उसकी माँ के विधिक संरक्षण से अपहरण किया। उसका जन्म यश क्लिनिक इंदौर में होना बताकर इस संबंध में नगर निगम इंदौर में कूटरचित जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर अवैध लाभ अर्जित करने व नवजात बालक का अपहरण करने का योजना बनाकर षडयंत्र करने का कृत्य किया गया बालक को बरामद किया गया एवं चाइल्ड लाइन इंदौर की अस्थाई अभिरक्षा में दिया गया । एसटीएफइकाई इंदौर में केस दर्ज किया गया। इस केस में लीलाबाई, अजय कुमार एवं स्वर्णलता को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में बरामद बच्चों को जन्म देने वाली माँ के सम्बन्ध में तलाश व विवेचना की जा रही है।

पति से अवैध संबंधों की आशंका पर हत्या, महिला कंकाल की गुत्थी सुलझी

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम हल्का से लगे जंगलों में बंजारी माता नाला के समीप मिले महिला कंकाल की पुलिस ने न केवल शिनाख्त कर ली है बल्कि महिला की हत्या कर उसके शव को गड़ाने के आरोप में भाई-बहन को गिरफ्तार भी कर लिया है।

पुलिस ने हत्या कर साक्ष्य छिपाने के आरोप में भाई-बहन को किया गिरफ्तार

गौरतलब है कि ग्राम हल्का से लगे जंगलों में बंजारी माता के समीप नाले में पुलिस ने गतदिवस एक महिला का कंकाल बरामद किया था। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए पहले महिला कंकाल की शिनाख्त जिले की सीमा रेखा से लगे जबलपुर जिले के कुंडम थाना अंतर्गत ग्राम सिमरिया निवासी 25 वर्षीय रूकमणी पति नरेश सिंह के रूप में की और फिर उसकी हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए गांव की ही एक महिला 35 वर्षीय सम्मो बाई पति पूरन सिंह व उसके भाई शिवप्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भाई.बहन के विरूद्ध धारा 302ए 201 के तहत कार्रवाई की गई है।एक जानकारी में बताया जाता है कि आरोपी महिला सम्मो बाई को शक था कि रूकमणी बाई के उसके पति पूरन सिंह से अवैध संबंध हैं। इसी संदेह में उसने रूकमणी बाई की लाठियों से पीटकर हत्या की और फिर अपने भाई शिवप्रसाद की मदद से रूकमणी की लाश को जंगल में ले जाकर गाड़ दिया।

श्रीनगर में प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते पीएचई कर्मचारी।

1 मार्च से 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को लगेगी कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। स्वास्थ्य कार्यकताओं एवं अग्रिम पंक्ति के कार्मिकों के बाद अब 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना टीका लगाने की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि वह सभी प्रकार के स्वास्थ्य केंद्रों में व्यापक पैमाने पर टीकाकरण की तैयारियों के इंतजाम करें क्योंकि मार्च में 50 साल से अधिक उम्र के और बीमार लोगों को भी टीकाकरण करने की शुरूआत की जानी है। शुक्रवार को भेजे गए पत्र में स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों से कहा है कि वे एक मार्च से सभी स्वास्थ्य केंद्रों में टीकाकरण की तैयारी आरंभ करें। इनमें अस्पताल, मेडिकल कालेज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर उप केंद्रों तक में इंतजाम करने को कहा गया है। टीकाकरण के लिए इन केंद्रों में आवश्यक कोल्डचेन तैयार करने को कहा गया है। मुख्य सचिवों को कहा गया है कि वह भी सुनिश्चित करें कि सप्ताह में कम से कम चार दिन कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जाए और एक मार्च से यह विस्तारित स्वरूप में हो। मुख्य सचिवों को कहा गया है कि वह स्वास्थ्य अधिकारियों को इस बाबत निर्देश जारी करें। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि 16 जनवरी से टीकाकरण शुरू हुआ था और 18 फरवरी को एक करोड़ का आंकड़ा पार कर गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि काफी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता अभी टीका लगाने नहीं आए हैं। इसलिए यह भी सुनिश्चित करें कि ऐसे सभी लोगों को टीका लगाया जाए। उन्होंने कहा कि 50 साल से अधिक उम्र को पंजीकृत करने के लिए कोविन में भी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। बता दें कि सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि मार्च में तीसरी श्रेणी जिसमें 50 साल से अधिक उम्र के लोग हैं, उनका टीकाकरण किया जाएगा। 50 साल से अधिक उम्र के लोगों एवं बीमार व्यक्तियों की संख्या करीब 27 करोड़ के करीब होने का अनुमान है। बहरहाल, इस पत्र में स्वास्थ्य सचिव ने एक मार्च से टीकाकरण की व्याप्त तैयारियां करने की बात तो राज्यों से कहीं है लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया है कि 50 पार के लोगों का टीकाकरण कब से शुरू होगा। माना जा रहा है कि राज्यों की तैयारियों के आधार पर फरवरी के आखिर में इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। देश के पांच राज्यों केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ और मध्य प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर बिहार में स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। विभाग ने सभी जिलों के सिविल सर्जनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक के दौरान कोरोना संक्रमितों की जांच व इलाज पर नजर रखने का निर्देश दिया है। विभाग के वरीय अधिकारियों द्वारा सोमवार को पुनः सभी जिलों के सिविल सर्जनों के साथ बैठक में कोरोना महामारी से निबटने के लिए तैयारी दुरूस्त करने को लेकर चर्चा की जाएगी। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों से चिंतित महाराष्ट्र सरकार ने पुणे शहर में पाबंदी लागू करने का फैसला किया। पुणे जिला प्रशासन ने कुछ पाबंदियां लागू करने का फैसला किया है जिसमें रात 11 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लोगों के गैर-जरूरी आवागमन पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। राज्य सरकार ने कहा कि कंटेनमेंट जोन का निर्माण, कोविड-19 देखभाल केंद्रों की फिर से स्थापना, संक्रमितों के संपर्क में आए व्यक्तियों का पता लगाना और जांच में वृद्धि करके संक्रमण को रोकने के प्रयास किए जाएंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार शनिवार को पुणे डिवीजन में कोरोना के 998 नए मामले सामने आए, और नौ कोरोना मरीजों की मौत हुई। डिवीजन में कोविड-19 मामलों की कुल संख्या 5,14,319 और मृतक संख्या 11,698 है।

कश्मीर से आतंक मिटाने के लिए पाक से नजदीकी बढ़ाए भारत : फारुख अब्दुल्ला

जम्मू, (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर से आतंकवाद खत्म करने के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की पैरवी करते हुए कहा कि मित्रता क्षेत्र में विकास की कुंजी है। अब्दुल्ला ने कहा, आतंकवाद को खत्म करने के भाजपा के दावे के विपरीत जम्मू कश्मीर में अब भी आतंकवाद है। उन्होंने कहा कि अगर हम इसे खत्म करना चाहते हैं तो हमें हमारे पड़ोसियों से बातचीत करनी चाहिए। पूर्ववर्ती राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के इन शब्दों आप अपने दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी नहीं को याद करते हुए कहा, या तो हम दोस्ती और समृद्धि बढ़ाएंगे या दुश्मनी जारी रखेंगे, तो कोई समृद्धि नहीं होगी।

वह, श्रीनगर के भगत इलाके में 19 फरवरी को आतंकवादी हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। अब्दुल्ला ने कहा, मैं सरकार से अपील करता हूं कि वे वैसा ही नजरिया अपनाएं जैसा उन्होंने लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध को लेकर अपनाया और सैनिकों की वापसी शुरू हुई। जम्मू कश्मीर को आतंकवाद के चंगुल से निकालने के लिए इसी की जरूरत है। उनकी पार्टी द्वारा परिसीमन आयोग की बैठक का बहिष्कार करने के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा, हमने पहले ही कहा है कि उन्होंने पांच अगस्त 2019 को जो किया है, वह हमे स्वीकार नहीं हैं। जब हमने यह स्वीकार ही नहीं है, तो हम जम्मू-कश्मीर के लिए कैसे परिसीमन आयुक्त स्वीकार कर सकते हैं।

पेट्रोल–डीजल के बाद अब प्याज की बढ़ी कीमत ने लोगों को रुलाया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के बीच प्याज के दामों में वृद्धि ने घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में प्याज की कीमत पचास रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। सरकार को उम्मीद है कि मार्च में बाजार में प्याज की आवक बढ़ जाएगी, इससे दम कम हो जाएगें। इसके साथ केंद्र सरकार बफर स्टॉक से राज्यों को प्याज जारी कर सकती है। प्याज की कीमतों में अचानक आई वृद्धि अहम वजह महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बेमौसम बरसात है।

इन दिनों प्रदेशों में बेमौसम बरसात और ओले पडने की वजह से प्याज की फसल खराब हो गई है। इसके चलते एशिया की सबसे बड़ी मंडी लासलगांव में प्याज की कीमत 4200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गई। क्योंकि, मंडी में प्याज की आवक कम हो गई है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ो के मुताबिक भी राजधानी दिल्ली में बीस दिन के अंदर प्याज की कीमत 10 से 15 रुपए तक बढी हैं। आंकड़ों के मुताबिक 19 फरवरी को प्याज की कीमत 50 रुपए प्रति किलो थी, जबकि 30 जनवरी को प्याज के दाम 39 रुपए प्रति किलो थे। इससे पहले बाजार में प्याज की कीमत औसतन 20 से पच्चीस रुपए प्रति किलो तक थी। मार्च में प्याज की आवक बढने से कीमत कम होने की उम्मीद के बावजूद कई जानकार मानते हैं कि अभी राहत की उम्मीद कम ही है। उनका मानना है कि प्याज के दाम अभी और बढेगें। कई लोग कीमतों को आवश्यक वस्तु अधिनियम संशोधन से जोडकर भी पेश कर रहे हैं। दरअसल, सरकार ने पिछले साल आलू, प्याज, दाल, चावल और तिलहन को दायरे से बाहर कर दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकारों का चुनाव लोगों के हितों पर कुठाराघात करने के लिए नहीं, बल्कि बोझ कम करने के लिए किया जाता है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी की मांग करते हुए कहा कि मध्य वर्ग, किसान और गरीबों को लाभ मिलना चाहिए। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि देश में ईंधन के दाम ऐतिहासिक रूप से अधिकतम ऊंचाई पर हैं, जो पूरी तरह अव्यवहारिक हैं। कई हिस्सों में पेट्रोल के दाम 100 रुपए प्रति लीटर पार कर गए हैं। डीजल की कीमतों में वृद्धि ने करोड़ों किसानों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत मध्यम स्तर पर है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि मुनाफाखोरी का उदाहरण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि यह बात उनकी समझ से परे है कि कोई सरकार ऐसे बेपरवाह और असंवेदनशील उपायों को कैसे सही ठहरा सकती है। सरकार ने छह साल में डीजल पर 820 फीसदी और पेट्रोल पर 258 प्रतिशत उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 21 लाख करोड़ रुपए से अधिक की कर वसूली की है। पर इस मुनाफाखोरी का लोगों को कोई लाभ नहीं मिला। पश्चिम बंगाल सरकार ने रविवार को पेट्रोल और डीजल पर कर में एक रुपए प्रति लीटर की कटौती की घोषणा की जो कि मध्यरात्रि से प्रभावी होगी।

पैंगोंग झील के बाद देपसांग में खुलेगा सैनिकों की वापसी का रास्ता

नई दिल्ली, (संवाददाता)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी गतिरोध के बीच भारत और चीन ने 10वें दौर की सैन्य वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान में कहा कि पैंगोंग झील क्षेत्र से सैन्य वापसी पश्चिमी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अन्य मुद्दों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष अपने नेताओं के बीच बनी सहमति, अपना संवाद और संपर्क जारी रखने, जमीन पर स्थिति को स्थिर और नियंत्रित करने तथा शेष मुद्दों का संतुलित और व्यवस्थित तरीके से समाधान करने पर भी सहमत हुए। यह बयान दोनों देशों के बीच कोर कमांडर लेवल की 16 घंटे तक चली दसवें दौर की वार्ता के बाद आया है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की तरफ मोल्दो बिंदु क्षेत्र में शनिवार को सुबह दस बजे शुरू हुई थी और रात दो बजे तक चली। बयान में कहा गया, दोनों पक्षों ने पैंगोंग झील क्षेत्र से अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया सुगमता से पूरी होने के बारे में सकारात्मक रूप से अवगत कराया और उल्लेख किया कि यह पश्चिमी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अन्य मुद्दों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों देशों के बीच पिछले साल पांच मई को पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक संघर्ष के बाद सैन्य गतिरोध शुरू हुआ था और फिर हर रोज बदलते घटनाक्रम में दोनों पक्षों ने भारी संख्या में सैनिकों तथा घातक अस्त्र-शस्त्रों की तैनाती कर दी थी। गतिरोध के करीब पांच महीने बाद भारतीय सैनिकों ने कार्रवाई करते हुए पैंगोंग झील के दक्षिणी छोर क्षेत्र में मुखपारी, रेचिल ला और मगर हिल क्षेत्रों में सामरिक महत्व की कई पर्वत चोटियों पर कब्जा कर लिया था।

हत्यारिन शबनम की फांसी रोकने के लिए अयोध्या से उठी पहली मांग

नई दिल्ली, (संवाददाता)। प्रेमी से शादी करने के लिए अपने ही परिवार के सात लोगों को बेरहमी से मौत के घाट उतारने वाली हत्यारिन शबनम की फांसी रोकने के लिए पहली मांग अयोध्या से उठी है। तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास ने राष्ट्रपति से अपील की है कि वे शबनम की फांसी की सजा को माफ कर दें। महंत ने कहा कि देश की आजादी के बाद आज तक किसी महिला को फांसी नहीं दी गई। यदि शबनम को फांसी दी जाती है तो यह पहला मामला होगा। उन्होंने कहा कि एक महिला को फांसी दिए जाने से देश को दुर्भाग्य और आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है। महंत ने कहा कि हिंदू शास्त्रों में नारी का स्थान पुरुष से बहुत ऊपर है। एक नारी

को मृत्युदंड दिए जाने से समाज का कोई भला नहीं होगा। उल्टे इससे दुर्भाग्य और आपदाओं को न्यौता मिलेगा। महंत ने कहा कि यह सही है कि उसका अपराध माफ किए जाने योग्य नहीं है लेकिन उसे महिला होने के नाते माफ किया जाना चाहिए। महंत परमहंस दास ने कहा कि हिंदू धर्मगुरु होने के नाते मैं राष्ट्रपति से अपील करता हूं कि माफी के लिए शबनम की याचिका को स्वीकार कर लें। अपने अपराध के लिए वह जेल में प्रायश्चित कर चुकी है। यदि उसे फांसी दी गई तो यह इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय होगा। महंत ने कहा कि देश का संविधान राष्ट्रपति को असाधारण शक्तियां देता है। उन्हें इन शक्तियों का इस्तेमाल क्षमा देने में करना चाहिए। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के बाबनखेड़ी गांव की शबनम को अपने ही परिवार के सात लोगों की बेरहमी से हत्या के अपराध में फांसी की सजा दी गई है। शबनम ने 14-15 अप्रैल 2008 की रात को अपने प्रेमी के साथ मिलकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। वह जुलाई 2019 से रामपुर की जेल में बंद है।

भाजपा नेता बोले–डीएमके है हिंदू विरोधी पार्टी, इन्हें हराना होगा

नई दिल्ली, (संवाददाता)। तमिलनाडु में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के सांसद तेजस्वी सूर्या ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर तीखा हमला किया है1 सूर्या ने डीएमके को हिंदू विरोधी पार्टी कहा है। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके एक मौकापरस्त पार्टी है जब वो सत्ता में रहते हैं तो वो हिंदुओं पर हमले करते हैं और फिर वोट लेने के लिए उनके पास जाते हैं। सूर्या ने तमिलनाडु की जनता से उन्हें हराने की अपील की। बता दें कि इस साल अप्रैल- मई के महीने में तमिलनाडु में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने सलेम में भाजपा तमिलनाडु युवा विंग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि डीएमके बहुत खराब और विवादास्पद विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है जो हिंदू विरोधी है। हर तमिल को हिंदू होने का गर्व है। ये पवित्र भूमि है जिसमें देश के सबसे अधिक मंदिर हैं, तमिलनाडु का हर इंच पवित्र है, लेकिन डीएमके हिंदू विरोधी है, इसलिए हमें इसे हराना चाहिए। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे1 भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने आगे कहा कि हिंदू धर्म में तमिलनाडु के विद्वान, गायक, फिलॉसफर, संत और कवि का काफी बड़ा योदगान रहा है और इसका असर पूरी दुनिया में रहा है, लेकिन जब भी डीएमके को सत्ता में आने का मौका मिला है उसने मंदिर की जमीन पर कब्जा किया। उनके बयानों ने हिंदुओं का अपमान किया है। सत्ता में रहने पर वो हिंदू संस्थानों और विश्वासों पर हमला करते हैं, लेकिन सत्ता से बाहर होने पर वे हिंदुओं से वोट मांगते हैं। ये नहीं चलेगा।

सोशल मीडिया पर प्रचार में अंधाधुंध खर्च

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनावों के औपचारिक ऐलान होने में भले ही अभी समय लग रहा हो, लेकिन राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया कैंपेन तेज कर दिया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर से अब तक करीब तीन करोड़ रुपये के विज्ञापन सिर्फ बंगाल से जुड़े फेसबुक पेज पर दिए जा चुके हैं। पिछले तीन महीने में ममता बनर्जी के समर्थन और मोदी विरोधी फेसबुक पेज पर विज्ञापनों की रफ्तार तेज कर दी गई है। हालांकि, सबसे ज्यादा सर्च किया जाने वाला शब्द बीजेपी है। फेसबुक एड लाइब्रेरी के आंकड़ों के मुताबिक 20 नवंबर से 17 फरवरी 2021 के दौरान फेसबुक विज्ञापन के मामले में पश्चिम बंगाल टॉप पर है। यही नहीं इस खर्च में राजनीतिक दल ही सबसे ऊपर हैं। तीन महीनों में ममता समर्थक पेज बांगलार गोरबो ममता के करीब 96 लाख रुपए खर्च कर विज्ञापन चलाए जा रहे हैं। वहीं भाजपा ने भी इससे मुकाबले के लिए खास चुनावी फेसबुक पेज बनाए हैं। इसके तहत अमार पॉरिबार बीजेपी पॉरिबार में 33 लाख रुपए की रकम खर्च की जा रही है। साथ ही एक और भाजपा समर्थित पेज आर नोई अन्याय के जरिए भी करीब 30 लाख रुपए का खर्च किया जा रहा है। कांग्रेस की तरफ से तीन महीने के भीतर खर्च के नए आंकड़े अभी दिखने शुरू नहीं हुए हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा विरोधी पेजों पर भी खर्च के मामले में तेजी देखी जा रही है। व्यंगात्मक लहजे में पोस्ट करने के नाम पर बने पेज खोटिकारोक मोदी पर पिछले 3 महीने में 51 लाख रुपए से ज्यादा विज्ञापन पर खर्च किए जा चुके हैं। पिछले तीन महीने में फेसबुक विज्ञापनों पर खर्चा बढ़ा है। फरवरी 2019 से अब तक हुए कुल खर्च में से आधा सिर्फ तीन महीने में ही हुआ है। दो साल में फेसबुक पर 87.4 करोड़ रुपए खर्च कर 6 लाख से ज्यादा विज्ञापन दिए जा चुके हैं। पिछले दो साल के आंकड़ों को देखा जाए तो वैसे तो भाजपा ही सबसे ज्यादा खर्च करने वाली पार्टी है। भाजपा ने 4.6 करोड़ रुपए खर्च कर 2680 विज्ञापन दिए हैं, लेकिन बंगाल चुनाव के देखते हुए ममता बनर्जी के समर्थन में चलाए जा रहे पेज बांगलार गोरबो ममता नाम का पेज भी पीछे नहीं है। यहां दो साल में 2.1 करोड़ रुपए खर्च कर 1378 विज्ञापन दिए गए हैं। सर्च के मामले में बीजेपी सबसे आगे है। एक हफ्ते में इसे 50 हजार से ज्यादा बार सर्च किया गया है। वहीं, टॉप 5 दूसरे और तीसरे नंबर पर लोग सोशल मीडिया मार्केटिंग और रियल एस्टेट सर्च करते हैं। इसके बाद चौथे और पांचवें पायदान पर नरेंद्र मोदी और मोदी शब्द सर्च के मामले में आगे है।

किसान आंदोलन के समर्थन में विधानसभा पहुंचे तेजस्वी

पटना, (एजेंसी)। बिहार का आम बज उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद सह वित्तमंत्री तारकिशोर प्रसाद विधानमंडल में पेश करेंगे। बतौर वित्तमंत्री वे अपना पहला बजट सदन के पटल पर रखेंगे। सीएम नीतीश कुमार की अगुवाई वाली वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोरोना संकट के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत सात निश्चय पार्ट-2 के जरिए आत्मनिर्भर बिहार पर सरकार का फोकस रहेगा। 2021-22 के इस बजट का आकार करीब दो लाख 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक रहने की संभावना है। जो कि गत वित्तीय वर्ष 2020-21 के दो लाख 11 हजार 761 करोड़ रुपये से अधिक है। बजट में ग्रामीण संपर्कता के साथ ही जल-जीवन-हरियाली के तहत हर खेत तक पानी पहुंचाने के सरकार के संकल्प की झलक दिखेगी। जानें यहां हर अपडेट। बिहार विधानसभा का बजट सेशन सोमवार को हंगामे और विरोध प्रर्दशन के साथ शुरू हुआ। तमाम विपक्षी दल के विधायक अपने अपने तरीके से विधानसभा में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं कोरोना जांच में फजीर्वाड़ा के खिलाफ कांग्रेस के विधान पार्षद और प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, प्रेम चंद मिश्रा और समीर कुमार सिंह आदि ने सदन के बाहर नारेबाजी की। एक तरफ बिहार विधानमंडल का बजट सेशन चल रहा है। दो घंटे बाद नीतीश सरकार के डिप्टी सीएम सह वित्तमंत्री अपना पहला बजट पेश करेंगे वहीं दूसरी ओर विधानसभा कैंपस में सीपीआई एमएल और अन्य विपक्षी नेताओं ने पोस्टर और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। सभी विपक्षी विधायक महंगाई को कम करने, शराब तस्करों पर नकेल कसने, शराब तस्करों पर कार्रवाई करने, मुजफ्फुर जहरीली शराब केस की जांच और दोषियो को सजा व बीमार लोगों का इलाज करने का बैनर लिए हुए हैं। बता दें कि बिहार विधानमंडल का बजट सत्र 19 फरवरी से राज्यपाल फागू चौहान के अभिभाषण से शुरू हो गया था। एक माह पांच दिन वाले के इस सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा बजट सत्र के दौरान नौ महत्वपूर्ण विधेयक व अध्यादेश पेश किए जा सकते हैं। 19 फरवरी को सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही सोमवार यानि आज तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। बजट सत्र शुरू है। इसमें दोपहर को 1 बजे के बाद वित्तमंत्री तारकिशोर प्रसाद प्रदेश का बजट पेश करेंगे। बीते साल के बजट में गैर योजना मद में 105995 करोड़ और योजना मद में 107766 करोड़ था। इस बार गैर योजना मद की वृद्धि की संभावना है। वहीं बजट के केंद्र में स्वस्थ बिहार की परिकल्पना दिखेगी। पीएमसीएच को विश्व प्रसिद्ध अस्पताल बनाने के लिए भी बजट में राशि का प्रावधान किया जाएगा। शिक्षा के सबसे बड़ा कंपोनेंट रहने की उम्मीद है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर सरकार का फोकस है।

यूपी की योगी सरकार ने पेश किया 55,0270 करोड़ रुपये का बजट

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी की भाजपानीत योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2021-22 के लिये विधानसभा में 55,0270 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने टैबलेट के जरिये 55,0270 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस बजट का आकार पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 37,410 करोड़ रुपये ज्यादा है। प्रदेश के पहले पेपरलेस बजट के तहत सभी सदस्यों को भी टैबलेट पर बजट दस्तावेज उपलब्ध कराया गया। यह प्रदेश की योगी सरकार का पांचवां बजट है। इस बजट में 27,598.40 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का प्रस्ताव किया गया है। खन्ना ने शायर मंजूर हाशमी की गजल के शेर यकीन हो तो कोई रास्ता निकलता है, हवा की ओट भी लेकर चिराग जलता है के साथ बजट भाषण को आगे बढ़ाते हुए कहा कि लंबे समय तक लॉकडाउन के कारण सरकार की राजस्व प्राप्तियां प्रभावित रहीं, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने प्रभावी वित्तीय अनुशासन लागू किया। कर्मचारियों के वेतन और पेंशन का प्रवाह बना रहा तथा सार्थक कोशिशों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था फिर से गति पकड़ रही है।

वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 का बजट प्रदेश के समग्र एवं समावेशी विकास द्वारा विभिन्न वर्गों का स्वावलंबन कर उनके सशक्तिकरण को समर्पित है। खन्ना ने कहा, पिछली सरकारों के कार्यकाल में प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों पर सरकारी संपत्तियां बड़े पैमाने पर निष्प्रयोज्य हो गई थीं। हमारी सरकार ने इसे संज्ञान लेते हुए ऐसी संपत्तियों को पुनर्जीवित करते हुए क्लस्टर स्थापित करने का निर्णय लिया है। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए किसानों को उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण कार्यक्रमों से उन्हें सशक्त किया गया है।

सरकार ने किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सुनिश्चित कराया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गन्ना किसानों को 12,3000 करोड़ रुपये से ज्यादा के रिकॉर्ड गन्ना मूल्य का भुगतान कराया है। सरकार ने किसानों के लिये 15,000 सोलर पंप की स्थापना का लक्ष्य तय किया है। खन्ना ने कहा कि अयोध्या में निमार्णाधीन हवाई अड्डे का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के नाम पर रखा जाएगा। इसके लिये 101 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री के इस कथन का सदन के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर स्वागत किया और सदन में जय श्री राम के नारे भी लगाये गये। वित्त मंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि हर अपराधी सलाखों के पीछे होगा। सरकार लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। हर घर जल, हर घर बिजली, हर गांव में सड़क और हर गांव में बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

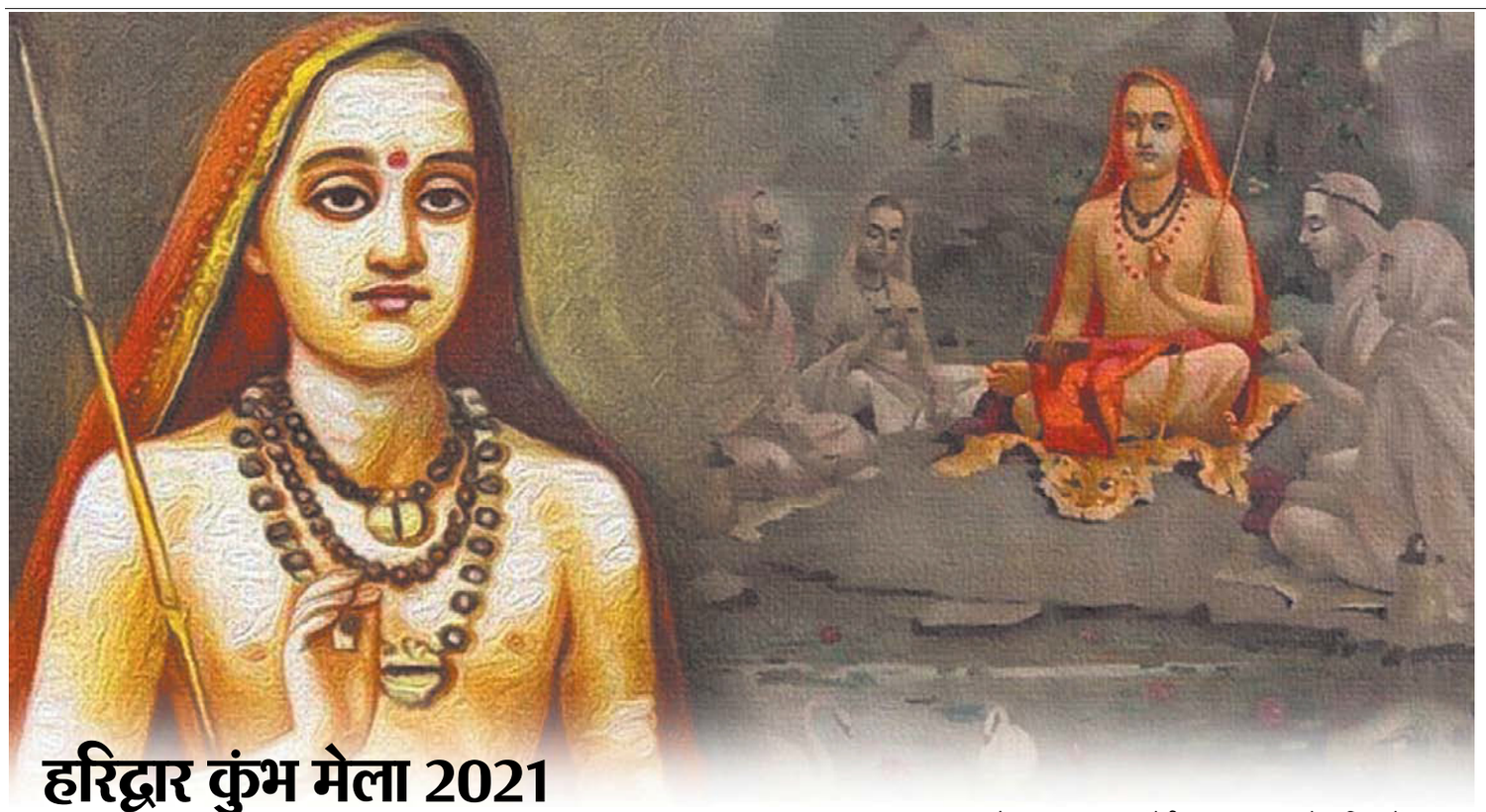

हरिद्वार कुंभ मेला 2021

साधुओं के दशनामी संप्रदाय की स्थापना कैसी हुई

509 ईसा पूर्व आदि शंकराचार्य ने कुल चार मठ और चार शंकराचार्यों की नियुक्ति की थी। इन चार मठों के अंतर्गत ही आदि शंकराचार्य ने दशनामी साधु संघ की स्थापना की थी। दशनामी संप्रदाय के नाम इस प्रकार हैं - गिरी, पर्वत, सागर, पुरी, भारती, सरस्वती, वन, अरण्य, तीर्थ और आश्रम।

उक्त दस संप्रदाय के साधुओं को दस क्षेत्र में बांटा गया। जिन संन्यासियों को पहाड़ियों एवं पर्वतीय क्षेत्रों में प्रस्थान किया, वे गिरी एवं पर्वत और जिन्हें जंगली इलाकों में भेजा, उन्हें वन एवं अरण्य नाम दिया गया। जो संन्यासी सरस्वती नदी के किनारे धर्म प्रचार कर रहे थे, वे सरस्वती और जो जगन्नाथपुरी के क्षेत्र में प्रचार कर रहे थे, वे पुरी कहलाए। जो समुद्री तटों पर गए, वे सागर और जो तीर्थस्थल पर प्रचार कर रहे थे, वे तीर्थ कहलाए। जिन्हें मठ व आश्रम सौंपे गए, वे आश्रम और जो धार्मिक नगरी भारती में प्रचार कर रहे थे, वे भारती कहलाए।

दश क्षेत्र के चार मठ

उक्त क्षेत्र के सभी साधुओं को मिलाकर संघ बना। दस संघ को चार क्षेत्रों में बांटकर सभी क्षेत्रों में चार मठ स्थापित किए गए। इन चार मठों की विस्तृत जानकारी।

वेदान्त ज्ञानमठ : श्रृंगेरी ज्ञानमठ भारत के दक्षिण में रामेश्वरम में स्थित है।
गोवर्धन मठ : गोवर्धन मठ भारत के पूर्वी भाग में उड़ीसा राज्य के पुरी नगर में स्थित है।
शारदा मठ : शारदा (कालिका) मठ गुजरात में द्वारकाधाम में स्थित है।
ज्योतिर्मठ : उत्तरांचल के बद्रिकाश्रम में स्थित है ज्योतिर्मठ।

उक्त मठों के मठाधिशों को ही शंकराचार्य कहा जाता है। लेकिन उक्त चार मठों के अलावा तमिलनाडु में स्थित कांची मठ को भी शंकराचार्य द्वारा स्थापित किया हुआ माना जाता है। इसके अलावा भी कई मठ हो चले हैं। मूलतः कांचीपुरम सहित उक्त चार मठों को ही धार्मिक मान्यता प्राप्त है।
शैवपंथ के आचार्यों को शंकराचार्य, मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर आदि की पदवी से सम्मानित किया जाता है। उसी तरह वैष्णव पंथ के आचार्यों को रामानुजाचार्य, रामानंदाचार्य, महंत आदि की पदवी से सम्मानित किया जाता है। नागा दोनों ही संप्रदाय में होते हैं। मूलतः चार संप्रदायों (शैव, वैष्णव, उदासीन, शाक्त) के कुल तेरह अखाड़े हैं। इन्हीं के अंतर्गत साधु-संतों को शिक्षा और दीक्षा दी जाती है।

सेहत की सुरक्षा करता है हाथ पर बंधा लाल धागा

कलाई पर लाल धागा, मौली, नाड़ा बांधने की पुरानी परंपरा है। इस लाल धागे को रक्षासूत्र भी कहा जाता है। इसके बिना पूजा पूरी नहीं मानी जाती है। जब भी कलाई पर ये धागा बनवाते हैं तो अपने मंत्रों का जाप भी किया जाता है। कलाई पर मौली बांधने से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है।
मौली का शाब्दिक अर्थ है सबसे ऊपर, इसका अर्थ सिर से भी है। शंकर भगवान के सिर पर चंद्रमा विराजमान है, इसीलिए शिवजी को चंद्रमौलेश्वर भी कहा जाता है। मौली बांधने की प्रथा तब से चली आ रही है, जब दानवीर राजा बलि की अमरता के लिए वामन भगवान ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा था।
मौली बांधने से दूर होते हैं त्रिदोष
कलाई पर मौली वहां बांधी जाती है, जहां से आयुर्वेद के जानकार वैद्य नाड़ी की गति पढ़कर बीमारी का पता लगाते हैं।
इस जगह पर मौली बांधने से पल्स पर दबाव बना रहता है और हम त्रिदोषों से बच सकते हैं।
इस धागे से दबाव से त्रिदोष यानी कफ, वात और पित्त से संबंधित तीन तरह की बीमारियां कंट्रोल हो सकती है।
कफ यानी सर्दी-जुकाम और बुखार से जुड़ी बीमारियां, वात यानी गैस, एसीडिटी से जुड़ी बीमारियां, पित्त यानी फोड़े-फूंसी, त्वचा से जुड़ी बीमारियां। इन सभी बीमारियों की परख वैद्य कलाई की नब्ज से करते हैं।

हरिद्वार कुंभ में बनते हैं बर्फानी नागा पद पाने में लगते हैं 12 साल

मूलतः 13 अखाड़ें हैं। उक्त तेरह अखाड़ों के अंतर्गत कई उप अखाड़े माने गए हैं। शैव पंथियों के 7, वैष्णव पंथियों के 3 और उदासिन पंथियों के 3 अखाड़े हैं। तेरह अखाड़ों में से जूना अखाड़ा सबसे बड़ा है। सभी अखाड़ों में नागा बनाने की परंपरा रही है। नागा एक पदवी होती है। यहां जानिए शैव पंथियों में नागा कैसे बना जाता है।
शैव अखाड़े में भी नागा बनाने की परंपरा है। एक परंपरा के अनुसार चार जगहों पर होने वाले कुंभ में नागा साधु बनने पर उन्हें अलग-अलग नाम दिए जाते हैं।
प्रयागराज के कुंभ में उपाधि पाने वाले को नागा, उज्जैन में खूनी नागा, हरिद्वार में बर्फानी नागा तथा नासिक में उपाधि पाने वाले को खिचड़िया नागा कहा जाता है। इससे यह पता चल पाता है कि उसे किस कुंभ में नागा बनाया गया है।
नागा में दीक्षा लेने के बाद साधुओं को उनकी वरीयता के आधार पर पद भी दिए जाते हैं। कोतवाल, पुजारी, बड़ा कोतवाल, भंडारी, कोठारी, बड़ा कोठारी, महंत और सचिव उनके पद होते हैं। सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण पद सचिव का होता है। नागा में दीक्षा लेने के बाद साधुओं को उनकी वरीयता के आधार पर पद भी दिए जाते हैं। कोतवाल, पुजारी, बड़ा कोतवाल, भंडारी, कोठारी, बड़ा कोठारी, महंत और सचिव उनके पद होते हैं। सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण पद महंत का होता है।
नागा साधु बनने के लिए लग जाते हैं 12 वर्ष। नागा पंथ में शामिल होने के लिए जरूरी जानकारी हासिल करने में छह साल लगते हैं। इस दौरान नए सदस्य एक लंगोट के अलावा कुछ नहीं पहनते। कुंभ मेले में अंतिम प्रण लेने के बाद वे लंगोट भी त्याग देते हैं और जीवन भर यूं ही रहते हैं।
नागा साधुओं को सबसे पहले ब्रह्मचारी बनने की शिक्षा दी जाती है। इस परीक्षा को पास करने के बाद महापुरुष दीक्षा होती है। बाद की परीक्षा खुद के यज्ञोपवीत और पिंडदान की होती है जिसे बिजवान कहा जाता है। अंतिम परीक्षा दिगम्बर और फिर श्रीदिगम्बर की होती है।
दिगम्बर नागा एक लंगोटी धारण कर सकता है, लेकिन श्रीदिगम्बर को बिना कपड़े के रहना होता है। श्रीदिगम्बर नागा की इन्द्री तोड़ दी जाती है।
कहते हैं कि संतों के तेरह अखाड़ों में सात संन्यासी अखाड़े ही दिगंबर नागा साधु बनाते हैं:- ये हैं जूना, महानिर्वणी, निरंजनी, अटल, अग्नि, आनंद और आवाहन अखाड़ा।

शरीर को स्वस्थ बनाता है ऊँ मंत्र कैसे करें इसका जाप

'ऊँ' का निरंतर जाप करने से दिमाग शांत होता है और आंतरिक और बाह्य विकारों का भी निदान होता है। बहुत-सी शारीरिक तकलीफें दूर होती हैं। इसके नियमित जाप से व्यक्ति के प्रभामंडल में वृद्धि होती है। आइए जानें कैसे करें 'ऊँ' का जाप-

- किसी शांत जगह का चुनाव करें।
- यदि सुबह जल्दी उठकर जाप कर पाएं तो बहुत अच्छा। यदि ऐसा संभव न हो, तो रात को सोने से पहले इसका जाप करें।

'ऊँ' का जाप करने के लिए किसी भगवान की मूर्ति, चित्र, धूप, अगरबत्ती या दीये की जरूरत नहीं होती है।
यदि खुली जगह जैसे कोई मैदान, छत या बगीचा न हो तो कमरे में ही इसका जाप करें।
साफ जगह पर जमीन पर आसन बिछाकर जाप करें।
पलंग या सोफे पर बैठकर जाप न करें।
'ऊँ' का उच्चारण तेज आवाज में करें। उच्चारण खत्म करने के बाद 2 मिनट के लिए ध्यान लगाएं और फिर उठ जाएं।
इस मंत्र के नियमित जाप से तनाव से पूरी तरह मुक्ति मिलती है।
जाप के दौरान टीवी, म्यूजिक सिस्टम आदि बंद कर दें।
कोशिश करें कि जाप के दौरान शोर न हो।
साफ आसन पर पद्मासन बैठें और आंखें बंद कर पेट से आवाज निकालते हुए जोर से 'ऊँ' का उच्चारण करें। 'ऊँ' को जितना लंबा खींच सकें, खींचें। सांस भर जाने पर रुकें और फिर यही प्रक्रिया दोहराएं।

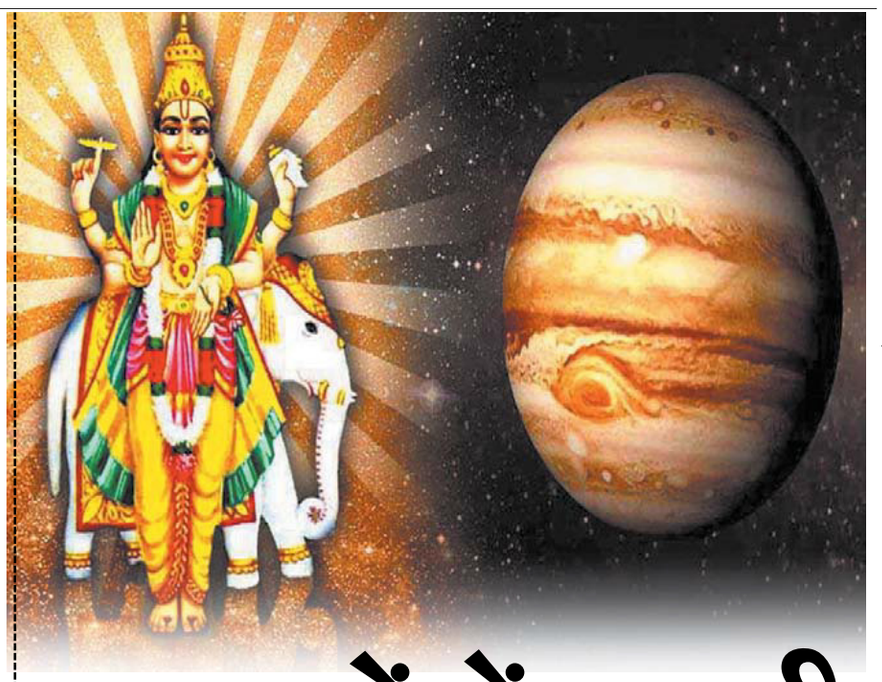

नवग्रहों में गुरु ही है क्यों सर्वश्रेष्ठ?

बृहस्पति ग्रह का वार गुरुवार है। हिन्दू धर्म में नवग्रह में बृहस्पति ग्रह और वारों में गुरुवार को श्रेष्ठ माना है। आखिर बृहस्पति ग्रह को नवग्रों में श्रेष्ठ क्यों माना जाता है। आओ जानते हैं इस संबंध में खास जानकारी।
सौरमंडल में सूर्य के आकार के बाद बृहस्पति का ही नम्बर आता है। इस ग्रह का व्यास लगभग डेढ़ लाख किलोमीटर और सूर्य से इसकी दूरी लगभग 778000000 किलोमीटर मानी गई है। यह 13 किमी.प्रति सेकंड की रफ्तार से सूर्य के गिर्द 11 वर्ष में एक चक्कर लगा लेता है। यह अपनी धूरी पर 10 घंटे में ही घूम जाता है। लगभग 1300 धरतियों को इस पर रखा जा सकता है।
जिस तरह सूर्य उदय और अस्त होता है, उसी तरह बृहस्पति जब भी अस्त होता है तो 30 दिन बाद पुनः उदित होता है। उदित होने के बाद 128 दिनों तक सीधे अपने पथ पर चलता है। सही रास्ते पर अर्थात मार्गी होने के बाद यह पुनः 128 दिनों तक परिक्रमा करता रहता है एवं इसके पश्चात्य पुनः अस्त हो जाता है। गुरुत्व शक्ति पृथ्वी से 318 गुना ज्यादा। इसकी गुरुत्व शक्ति के कारण ही यह धरती को सौर तूफान, बड़ी उल्कापिंड और अन्य अंतरिक्ष की आपदा से यह ग्रह बचा लेता है।
धनु और मीन राशि के स्वामी गुरु के सूर्य, मंगल, चंद्र मित्र ग्रह हैं, शुक्र और बुध शत्रु ग्रह और शनि और राहु सम ग्रह हैं।
नवग्रहों में बृहस्पति को गुरु की उपाधि प्राप्त है। इनके शुत्र बुध, शुक्र और राहु है। कर्क में उच्च का और मकर में नीच का होता है गुरु। लाल किताब के अनुसार चंद्रमा का साथ मिलने पर बृहस्पति की शक्ति बढ़ जाती है। वहीं मंगल का साथ मिलने पर बृहस्पति की शक्ति दोगुना बढ़ जाती है। सूर्य ग्रह के साथ से बृहस्पति की मान-प्रतिष्ठा बढ़ती है।
मानव जीवन पर बृहस्पति का महत्वपूर्ण स्थान है। यह हर तरह की आपदा-विपदाओं से धरती और मानव की रक्षा करने वाला ग्रह है। बृहस्पति का साथ छोड़ना अर्थात आत्मा का शरीर छोड़ जाना है। गुरु ग्रह के कारण ही धरती का अस्तित्व बचा हुआ है। सूर्य, चंद्र, शुक्र, मंगल के बाद धरती पर इसका प्रभाव सबसे अधिक माना गया है। गुरु ग्रह के अस्त होने के साथ ही मांगलित कार्य भी बंद कर दिए जाते हैं क्योंकि गुरु से ही मंगल होता है।
गुरुवार की प्रकृति क्षिप्र है। यह दिन ब्रह्मा और बृहस्पति का दिन माना गया है। ज्योतिष के अनुसार गुरुवार या गुरु ग्रह का संबंध महर्षि बृहस्पति और भगवान दत्तात्रेय से है परंतु लाल किताब के अनुसार भगवान ब्रह्मा इसके देवता हैं और ब्राह्मण, दादा, परदादा को इससे संबंधित माना जाता है। पीपल, पीला रंग, सोना, हल्दी, चने की दाल, पीले फूल, केसर, गुरु, पिता, वृद्ध पुरोहित, विद्या और पूजा-पाठ यह सब बृहस्पति के प्रतीक माने गए हैं।

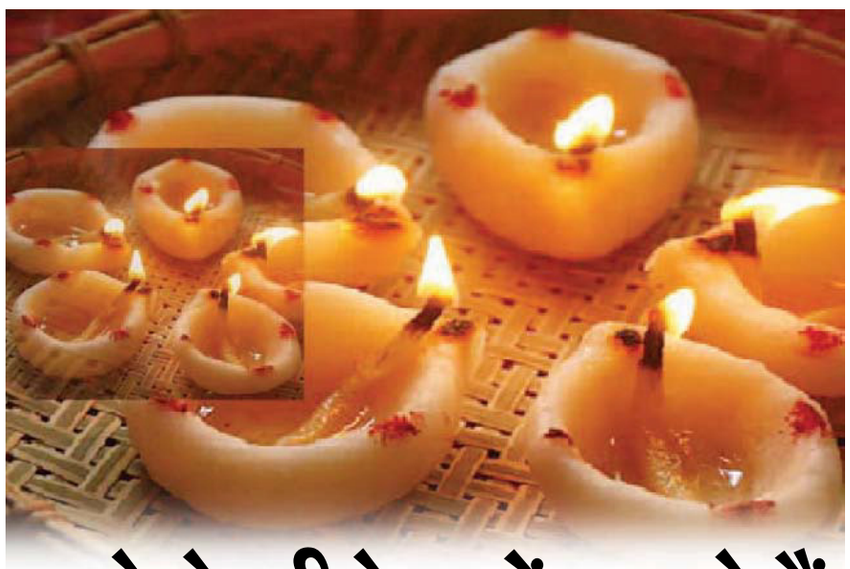

आटे के दीये क्यों जलाते हैं जानिए काम की बातें

हमने अक्सर मंदिरों में आटे के दीये जलते हुए देखे हैं, लेकिन हम नहीं जानते कि ऐसा क्यों किया जाता है? आइए जानते हैं शास्त्रसम्मत कुछ बातें -

वास्तव में आटे के दीपक का प्रयोग किसी बहुत बड़ी कामना की पूर्ति के लिए किया जाता है।
अक्सर मन्नत के दिए आटे के बने होते हैं। अन्य दीपक की तुलना में आटे के दीप को शुभ और पवित्र माना गया है। मां अन्नपूर्णा का आशीष इस दीप को स्वतः ही मिल जाता है।
मां दुर्गा, भगवान हनुमान, श्री गणेश, भोलेनाथ शंकर, भगवान विष्णु, भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम और श्री कृष्ण सभी के मंदिरों में आटे का दीप कामना पूर्ति के लिए जलाया जाता है।
मुख्य रूप से तांत्रिक क्रियाओं में आटे का दीप जलाते हैं।
कर्ज से मुक्ति, शीघ्र विवाह, नौकरी, बीमारी, संतान प्राप्ति, खुद का घर, गृह कलह, पति-पत्नी में विवाद, जमीन जायदाद, कोर्ट कचहरी में विजय, झूठे मुकदमे तथा घोर आर्थिक संकट के निवारण हेतु आटे के दीप संकल्प के अनुसार जलाए जाते हैं।
ये दीप घटती और बढ़ती संख्या में लगाए जाते हैं। एक दीप से शुरुआत कर उसे 11 तक ले जाया जाता है। जैसे संकल्प के पहले दिन 1 फिर 2, 3, ,4 , 5 और 11 तक दीप जलाने के बाद 10, 9, 8, 7 ऐसे फिर घटते क्रम में दीप लगाए जाते हैं।
आटे में हल्दी मिला कर गुंथा जाता है और हाथों से उसे दीप का आकार दिया जाता है। फिर उसमें घी या तेल डाल कर बत्ती सुलगाई जाती है।
मन्नत पूरी होने के बाद एक साथ आटे के सारे संकल्पित दीये मंदिर में जाकर लगाए जाते हैं।
अगर दीप की संख्या पूरी होने से पहले ही कामना पूरी हो जाए तो क्रम को खंडित न करें। संकल्प में माने गए दीप पूरे जलाएं। किसी भी अच्छे दिन, अच्छे वार के शुभ मुहूर्त और चौघड़िया में दीप जलाने का प्रण लिया जा सकता है। हर दीप के साथ कामना अवश्य बोलें।

क्राइस्टचर्च में जोस फिलिप को मिटसेल मार्श ने कैप सौंपी।

दोनों टीम के लिए एक जैसी होती है पिच : रोहित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि पिच को लेकर इंग्लैंड के क्रिकेटरों का शिकायत करना सही नहीं है। रोहित के अनुसार घरेलू टीम को अपने हिसाब से पिच बनाने की अनुमति मिली हुई है। रोहित के अनुसार जब हम विदेशी दौरे पर जाते हैं तब हम कभी भी पिच की शिकायत नहीं करते हैं। पिच दोनों टीम के लिए एक जैसी ही होती हैं। वहीं चेन्नई में खेले गए दूसरे टेस्ट में पिच को लेकर इंग्लैंड टीम के कई पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाए थे। पूर्व कप्तान माइकन वॉन ने कहा था कि जिस प्रकार पहले दिन से ही पिच टर्न ले रही है उससे लग रहा है कि यह घरेलू टीम को लाभ पहुंचाने के लिए बनायी गयी है। वहीं दूसरी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इस तरह की बातों को नये सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि सिर्फ स्पिन पिच को लेकर ही सवाल उठाए जाते हैं। तेज गेंदबाजों वाली पिच पर कोई कुछ नहीं कहता है। इसके साथ ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न ने भी वॉन को करारा जवाब देते हुए कहा था कि जब पहले टेस्ट में टीम इंडिया हार थी तब उन्होंने पिच पर सवाल नहीं उठाये थे।

मोटेरा स्टेडियम में बन सकता हैं सबसे ज्यादा फैंस के पहुंचने का रिकॉर्ड

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट दुनिया के सबसे बड़े मोटेरा स्टेडियम में खेला जाएगा। स्टेडियम की क्षमता 110,000 है। हालांकि टेस्ट मैच के दौरान कोविड-19 के कारण सिर्फ 50 फैंस को आने की अनुमति दी गई है। लेकिन दोनों टीमों के बीच 12 मार्च से मोटेरा मैदान पर 5 मैचों की टी20 सीरीज होनी है। अगर सीरीज के दौरान 100 फीसदी फैंस को आने की अनुमति दी जाती है,तब इंटरनेशनल मैच में सबसे ज्यादा फैंस पहुंचने का रिकॉर्ड बन सकता है। मोटेरा स्टेडियम में हालांकि पहली बार इंटरनेशनल मुकाबले नहीं खेले जा रहे हैं।इस नए तरीके से तैयार किया गया है। स्टेडियम 1980 के आस-पास बनकर तैयार हो गया था और पहला इंटरनेशनल मुकाबला 12 नवंबर 1983 को खेला गया था। हालांकि मैदान पर टीम इंडिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और इस टेस्ट मैच में विंडीज ने हमें 138 रन से हरा दिया था। मैदान पर पहली जीत के लिए हमें लगभग तीन साल का इंतजार करना पड़ा। 5 अक्टूबर 1986 को वनडे मुकाबले में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 52 रन से हराकर मैदान पर पहली जीत दर्ज की। नए मोटेरा स्टेडियम में लगभग सात साल बाद इंटरनेशनल मुकाबला होने जा रहा है। अंतिम मुकाबला 6 नवंबर 2014 को भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया था। इस वनडे मैच को टीम ने 6 विकेट से जीता था।

इंटरनेशनल मैच में अभी सबसे ज्यादा 1 लाख फैंस के पहुंचने का रिकॉर्ड है। हालांकि यह रिकॉर्ड आधिकारिक नहीं है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम की क्षमता पहले 1 लाख के करीब थी। यहां 1988-89 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए टेस्ट मैच एक दिन 1 लाख पहुंचने का दावा किया जाता है। इस मैदान पर हुए पांच वनडे मैच में भी 1 लाख फैंस के आने की बात कही जाती रही है। टेस्ट मैच के किसी एक दिन में सबसे ज्यादा फैंस के पहुंचने के आधिकारिक रिकॉर्ड की बात करें तो मेलबर्न में 2013-14 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंड डे टेस्ट के पहले दिन 91,112 फैंस पहुंचे थे। मौजूदा समय की बात की जाए तो मैच के टिकट ऑनलाइन बेचे जाते हैं। लेकिन पहले यह व्यवस्था नहीं थी। खास तौर पर कोलकाता में जहां के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 1 लाख लोग मैच देखने जाते हों। 1969 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के लिए 7 हजार टिकट बेचे जाने थे। लेकिन इस दौरान भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई थी। इस कारण कभी वहां मैच में फैंस का आधिकारिक आंकड़ा नहीं आ सका। हजारों लोग बिना परमिशन और टिकट के मैदान के अंदर चले जाते थे।

एक साल के बाद पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं मैरीकॉम

नई दिल्ली, (संवाददाता)। शीर्ष महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम एक साल के बाद स्पेन में अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे को देखते हुए मैरीकॉम ने पिछले एक साल से किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था इस कारण अब इस मुक्केबाज में प्रतिस्पर्धा की इच्छा और बढ़ गयी है। मैरीकॉम ने पिछले साल कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए ज्यादातर समय घर पर ही अभ्यास किया और डेंगू से उबरने के बाद पिछले महीने ही उन्होंने 15 दिन के लिये बेंगलुरू में शिविर में हिस्सा लिया था। वह पिछले साल जोर्डन में एशियाई क्वालीफायर्स के जरिये टोक्यो ओलंपिक में जगह बनाने के बाद अब वह स्पेन में होने वाले बोक्साम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के जरिये पहली बार रिंग में उतरेगी। यह टूर्नामेंट अगले सप्ताह शुरू होगा। मैरीकोम ने कहा, मैं यात्रा करने से डर रही थी। इसके साथ ही मैं बेहद सतर्क और चिंतित थी पर आप कब तक डर के माहौल में रह सकते हैं। किसी न किसी मोड़ पर तो इसे रोकना होगा। उन्होंने कहा, किसी को भी वायरस से बचने के लिये समझदार होना चाहिए और मैं अपनी तरफ से यही प्रयास कर रही हूं। मास्क पहन रही हूं और हमेशा की तरह स्वच्छता बनाये रखने पर ध्यान दे रही हूं। इससे डरते रहना जैसे कि मैं लंबे समय तक डरती रही, शायद ऐसा नहीं होना चाहिए। महामारी के कारण मैरीकॉम इससे पहले अभ्यास के लिये विदेशी दौरों पर जाने से बचती रही पर अब वह ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके आठ अन्य मुक्केबाजों के साथ एक से सात मार्च तक कैस्टीलोन में होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेगी।

विजय हजारे ट्रॉफी : पृथ्वी के शतक से मुंबई ने दिल्ली को हराया

जयपुर, (एजेंसी)। टीम इंडिया से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की शानदार शतकीय पारी 105 रनों की सहायता से मुंबई ने यहां विजय हजारे ट्रॉफी में एलीट ग्रुप डी मुकाबले में दिल्ली को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में मुम्बई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी के 35 रन देकर तीन विकेट की सहायता से दिल्ली को सात विकेट पर 211 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को मुंबई ने शॉ की आक्रामक बल्लेबाजी से 31.5 ओवर में ही हासिल कर लिया।

बल्लेबाजी का आमंत्रण मिलने के बाद दिल्ली ने तीन विकेट 10 रन पर गंवा दिए थे। दोनों सलामी बल्लेबाज अनुज रावत और भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सस्ते में ही सिमट गये। दिल्ली पर नीतिश राणा (02) के आउट होने के बाद दबाव और बढ़ गया। कुलकर्णी ने राणा के रूप में पहला विकेट लिया और फिर जोंटी सिधू (शून्य) को आउट कर दिल्ली का स्कोर चार विकेट पर 12 रन कर दिया।

हिम्मत सिंह और आठवें नंबर के बल्लेबाज शिवांक वशिष्ठ (70 गेंद में 55 रन, छह चौके) ने सातवें विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी बनाकर पारी को संभाला।

हिम्मत ने फिर जिम्मेदारी से खेलते हुए पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जमाए। वशिष्ठ के आउट होने के बाद हिम्मत को कप्तान प्रदीप सांगवान (नाबाद 28 रन) के रूप में अच्छा साथ मिला, दोनों ने नाबाद 57 रन की भागीदारी निभाकर अपनी टीम को 200 रन के ऊपर पहुंचाया।

जीत के लिए मिले 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने भी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का विकेट शुरूआत में ही खो दिया। यशस्वी आठ रन ही बना पाये।

इसके बाद शॉ (89 गेंद में नाबाद 105 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (39 गेंद में 39 रन, छह चौके और एक छक्का) ने दूसरे विकेट के लिए 82 रन जोड़े। शॉ शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने दिल्ली के आक्रमण को बेकार करते हुए 89 गेंद की पारी के दौरान 15 चौके और दो छक्के जमाए।

लास एंजिल्स में जेनिसिस आमंत्रण गोल्फ के ट्राफी के साथ मैक्स होमा और टाइगर वुडस।

झारखंड की बेटियां सुप्रीति ने गोल्ड मेडल जीत पूरा किया पिता का सपना

रांची, (एजेंसी)। खेलों की दुनिया में झारखंड की बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। चंडीगढ़ में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री में झारखंड की सुप्रीति कच्छप ने गोल्ड मेडल जीता। सुप्रीति का दो माह के अंदर यह 5वां राष्ट्रीय पदक है। इससे पहले सुप्रीति ने फेडरेशन कप में दो ब्रॉन्ज, जूनेशनल में 1 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज और चंडीगढ़ में राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री में उसने यह गोल्ड मेडल जीता है। भारतीय एथलेटिक्स संघ एवं पंजाब एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वाधान में 21 फरवरी को चंडीगढ़ में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में झारखंड के गुमला की रहने वाली सुप्रीति कच्छप ने बालिका अंडर 18 आयु वर्ग में शानदार दौड़ लगाई।

सुप्रीति ने 4 किलोमीटर की दौड़ के लिए 14 मिनट 40 सेकंड का समय लेकर बेहतरीन टाइमिंग के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, तमिलनाडु की आकांक्षा को सिल्वर और राजस्थान की उर्मिला को ब्रॉन्ज मेडल मिला। सुप्रीति ने खेलो इंडिया में 3000 मीटर की रेस में भी नेशनल रिकॉर्ड बनाया है। हालांकि, सुप्रीति की सफलता को देखने के लिए पिता आज जीवित नहीं है। लेकिन बेटी ने अपने पिता का सपना पूरा किया है। सुप्रीति की मां एक चुतर्थवर्गीय कर्मचारी हैं। सुप्रीति की मां बालमति देवी ने कहा कि उनकी बेटी ने न सिर्फ गुमला का बल्कि पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि एथलीट के तौर पर धावक बनना उसका सपना था, जो उसने पूरा किया है। सुप्रीति की उपलब्धि पर झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सह भारतीय एथलेटिक्स संघ के कोषाध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक, सचिव सी.डी. सिंह समेत तमाम लोगों ने उसे बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

रोटेशन नीति से इंग्लैंड की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत होगी : स्टेन

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की आराम देने बनायी (रोटेशन नीति) को सही बताते हुए करते हुए कहा कि इससे उसे भविष्य में लाभ होगा। स्टेन के अनुसार इससे ईसीबी की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत होती जाएगी। हाल के दिनों में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की रोटेशन नीति की कड़ी आलोचना होती रही है जो कि उसने खिलाड़ियों का कार्यभार कम करने और उन्हें जैव सुरक्षित वातावरण में रहते हुए मानसिक थकान से बचाने के लिए शुरू की है क्योंकि इस नीति से कई बड़े मैचों और श्रृंखलाओं में उसके प्रमुख खिलाड़ी नहीं खेल पाते हैं। स्टेन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिये टीमों का चयन करते समय उसे सहायता मिलेगी। स्टेन ने ट्वीट किया कि इंग्लैंड की रोटेशन नीति धीरे धीरे शानदार क्रिकेटरों की फौज तैयार कर रही है। हम भले ही अभी इसकी आलोचना कर रहे हैं पर अगले आठ वर्षों में आईसीसी के आठ टूनार्मेंट (असल में एक साल में एक, जैसा मुझे बताया गया है) होने हैं और उन्हें वास्तव में टीमों का चयन करते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अनुभवी क्रिकेटरों को ढूंढने के लिये संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

राशिद के शानदार प्रदर्शन से लाहौर क्लंदर्स जीता

करांची, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के राशिद खान के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के छठे सत्र के मुकाबले में लाहौर क्लंदर्स ने पेशावर जाल्मी को हरा दिया। इस मैच में राशिद ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। इस मैच में राशिद ने पहले गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इसके साथ ही बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने शानदार छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

इस मैच में टॉस जीतकर लाहौर की टीम ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया।तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने पहले ही ओवर में इमाम उल हक को आउट कर पेशावर टीम को झटका दिया। इसके बाद लगातार पेशावर टीम के बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। राशिद ने बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इस प्रकार पेशावर की टीम 6 विकेट के नुकसान पर 140 रन ही बना पायी। शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट लिए। वहीं राशिद खान ने 4 ओवर में 14 रन देकर कसी हुई गेंदबाजी की।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने आई लाहौर क्लंदर्स की टीम ने अच्छी शुरूआत की। वहीं पेशावर टीम के गेंदबाजों ने विकेट लेकर मैच में वापसी कराई। पेशावर टीम के लिए साकिब महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट लिए और लाहौर के बल्लेबाजों को रन बनाने से रोके रखा लेकिन एक छोर से मोहम्मद हफीज जमे हुए थे। आखिरी के ओवर्स में बल्लेबाजी करने के लिए आए राशिद ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 15 गेंदों पर 3 चौके और 1 छक्का लगाकर 27 रन बनाए। राशिद ने हेलीकॉप्टर शॉट खेलते हुए छक्का मारा और इस प्रकार टीम ने चार विकेट से यह मैच जीत लिया।

घरेलू सुपर 50 कप में मैकेर्थी की शानदार हैट्रिक से जमैका जीता

जमैका, (एजेंसी)। जमैकाई ऑफ स्पिनर आंद्रे मैकेर्थी ने वेस्टइंडीज के घरेलू सुपर 50 कप (लिस्ट ए) में बारबाडोस के खिलाफ शानदार हैट्रिक बनायी है। उन्होंने मैच में हैट्रिक लेने के साथ ही 6 विकेट भी लिए हैं। मैकेर्थी की गेंदबाजी से ही जमैका ने यह मैच भी जीता। मैकेर्थी ने इसी साल वेस्टइंडीज टीम की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरूआत की है। मैकेर्थी ने बारबाडोस की पारी के 40वें ओवर में यह हैट्रिक बनायी। उन्होंने अपने ओवर की तीसरी गेंद पर पहले एश्ले नर्स को 2 रन पर विकेटकीपर के हाथों कैच करवाया। इसके बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने अकीम जॉर्डन को बोल्ड कर दिया और उसके बाद ओवर की पांचवीं गेंद पर भी जोशुआ बिशप को पेवेलियन भेज दिया। यह उनके करियर की पहली हैट्रिक है।

इस मैच में टॉस जीतकर जमैका ने पहले बल्लेबाजी की थी पर टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई। जमैका ने 45.3 ओवर में 218 रन बनाए। वहीं बारबाडोस की ओर से जोशुआ बिशप ने 5 और एश्ले नर्स ने दो विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस टीम की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाजों जस्टिन ग्रीव्स और शाई होप ने पहले विकेट के लिए 52 रन जोड़े पर ग्रीव्स के आउट होतो ही बारबाडोस की पारी ढ़हने लगी। इस कारण 163 रनों पर ही उसने 6 विकेट खो दिये। पारी के 40वें ओवर में ऑफ स्पिनर मैकेर्थी आए और उन्होंने लगातार तीन गेंद पर तीन विकेट लेकर बारबाडोस की पूरी टीम को 167 रनों पर ही ऑउट कर दिया।

ओरलैंडो में अमेरिकी मिडफील्डर जूलिया इरित्ज महिला फुटबॉल मैच में खेलती हुई।

हर तरह के गेंदबाज के खिलाफ हेलमेट पहनना होगा : एमसीसी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। आनेवाले दिनों में बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों के साथ ही स्पिनरों के सामने भी हेमलेट पहना होगा। विश्व क्रिकेट के नियम बनाने वाली शीर्ष संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने कहा कि सिर की चोट से बचने के लिए बल्लेबाजों को हर तरह के गेंदबाज के सामने हेलमेट पहनना चाहिए। अभी बल्लेबाज केवल तेज गेंदबाजों के सामने ही हेमलेट लगाते हैं। वहीं नियम की बात की जाए तो हेलमेट का नियम हर बोर्ड अपने स्तर पर तय करते हैं। गौरतलब है कि इंग्लैंड में साल 2016 से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैच में हेलमेट पहनने को अनिवार्य किया गया है पर इस तरह के नियम भारत सहित अधिकतर देशों में लागू नहीं हुए हैं।एमसीसी के हेड ऑफ क्रिकेट जॉन स्टीफेनसन ने कहा कि इस तरह की चीजों में बदलाव की जरूरत है। इससे खिलाड़ियों को घायल होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी को अलग-अगल तरीके से समझाया जा सकता है और देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद इसे कैसे लेती है। साथ ही कहा कि हेलमेट पहनने को उसे अनिवार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस मुद्दे पर आईसीसी से बात करना चाहूंगा क्योंकि जब आप स्वीप करते हैं और आप ने कैप पहनी है तो गेंद आपके सिर पर लग सकती है। इस क्षेत्र में विचार किये जाने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट में सभी बल्लेबाजों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जाना चाहिए। आईसीसी को सभी सदस्य देशों को इस पर सहमत करना चाहिए। इस बीच एमसीसी शॉर्ट बॉल को लेकर दुनियाभर में बहस कर रहा है। नियम के अनुसार एक ऊंचाई तक बाउंसर गेंद फेंकने की अनुमति है। इससे ऊंचा फेंकने पर नोबॉल देने का नियम है।

इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी अच्छी : स्टेन

जोहांसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की रोटेशन नीति की तारीफ की है। रोटेशन नीति के तहत खिलाड़ियों को बीच-बीच में आराम दिया जाता है। स्टेन ने अपने ट्वीट में कहा कि ईसीबी की रोटेशन नीति का फायदा नजर आ रहा है। धीरे-धीरे शानदार क्रिकेटरों की एक फौज तैयार हो रही है। साथ ही कहा कि अभी भले ही ईसीबी की इस नीति की आलोचना हो रही है पर अगले 8 सालों में आईसीसी को 8 टूनार्मेंट में टीम का चयन करते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अनुभवी क्रिकेटरों को तलाशने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने इस नीति को बेहद समझदारी वाला कदम है बताया है। ईसीबी ने रोटेशन नीति को खिलाड़ियों का वर्कलोड कम करने और उन्हें बायो सिक्योर बबल में रहते हुए मानसिक थकान से बचाने के लिये किया है हालांकि इस कदम से कई बड़े मैचों और सीरीज में उसके अहम खिलाड़ी नहीं खेल पाते हैं जिससे उसकी आलोचना भी हो रही है। ईसीबी की इस रोटेशन नीति के कारण ही विकेटकीपर जोस बटलर भारत के खिलाफ पहले टेस्ट और आलराउंडर मोईन अली दूसरे टेस्ट के बाद इंग्लैंड लौट गए जबकि बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और तेज गेंदबाज मार्क वुड पहले दो मैचों से बाहर रहने के बाद सीरीज के बाकी दो मैच के लिए टीम से जुड़ गए हैं। यही नहीं, टीम मैनेजमेंट वर्कलोड को देखते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को भी बीच-बीच में आराम देता रहा है। ईसीबी ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ऑल राउंडर बेन स्टोक्स को भी श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिया था हालांकि, इंग्लैंड के कई पूर्व खिलाड़ियों ने खिलाड़ियों को आराम देने के फैसले के लिए बोर्ड की आलोचना की थी लेकिन ईसीबी इस पर अमल करता नजर आ रहा है। इससे पहले, श्रीलंका के पूर्व कप्तान और राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट कुमार संगकारा ने भी इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी को अच्छा बताया था। उन्होंने कहा था कि इस नीति का इंग्लैंड टीम को फायदा पहुंचा है. क्योंकि कोरोना के बीच, जब से बायो सिक्योर बबल में क्रिकेट शुरू हुआ है. तब से एक के बाद लगातार सीरीज हो रही हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के चोटिल और थकने की आशंका ज्यादा है। इसलिए अब दूसरे बोर्ड भी इंग्लैंड की तरह ही रोटेशन नीति पर अमल कर रहे हैं।